हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 246, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 22 फरवरी, 2022 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

लालू को और पांच साल की सजा: चारा घोटाले के 5वें केस में सीबीआई कोर्ट ने सुनाया फैसला

60 लाख रुपये का जुमार्ना भी ठोका, बाकी दोषियों को भी आज सजा सुनाई गई

रांची। रांची स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने बहुचर्चित चारा घोटाला से जुड़े एक मामले में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को 5 साल की सजा सुनाई है और 60 लाख का जुमार्ना भी लगाया है। यह मामला डोरंडा कोषागार से अवैध निकासी का है। लालू के वकील ने बताया कि आगे जमानत के लिए अर्जी दी जाएगी। लेकिन जमानत नहीं मिलने तक लालू को जेल में ही रहना पड़ेगा। बता दें कि इस मामले में लालू के साथ 75 आरोपियों को 15 फरवरी को दोषी करार दिया गया था और 24 को रिहा कर दिया गया था। इनमें से 36 को तीन-तीन साल की सजा मुकर्रर की जा चुकी है। वहीं बाकी दोषियों को भी आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सजा सुनाई गई। राजद सुप्रीमो लालू यादव को चारा घोटाले से जुड़े अन्य चार मामलों में पहले ही लालू को कुल 14 साल की सजा सुनाई जा चुकी है। चाईबासा कोषागार से पहला मामला था जिसमें उन्हें 5 साल की सजा हुई। यह मामला 37 करोड़ की अवैध निकासी का था। वहीं दूसरा

मामला देवघर कोषागार से था जिसमें उन्हें 3.5 साल की सजा हुई थी और यह मामला 79 लाख रुपये की अवैध निकासी का था। तीसरा मामला (33.13 लाख की अवैध निकासी) फिर चाईबासा कोषागार का ही था जिसमें उन्हें पांच साल की सजा हुई थी। फिर दुमका कोषागार (3.13 करोड़ की निकासी) के मामले में सात साल की सजा लालू को सुनाई गई थी। चारा घोटाला उस समय सुर्खियों में आया था जब पश्चिमी सिंहभूम जिले(चाईबासा) के तत्कालीन उपायुक्त अमित खरे ने 27 जनवरी 1996 को उजागर किया। बिहार पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज किया और जांच आगे बढ़ाई तो इसका संबंध लालू प्रसाद यादव समेत कई लोगों से निकला। बाद में सीबीआई ने इस केस का जिम्मा अपने हाथों में ले लिया जो पिछले 25 वर्षों से चल रहा है। इस घोटाले में कई चौंकाने वाले मामले सामने आए। जिसमें पशुओं को फर्जी रूप से स्कूटर और मोटरसाइकिल पर ढोने की कहानी शामिल है। मामला 1990-92 के बीच का है। अफसरों और नेताओं ने फजीर्वाड़ा की नई कहानी ही लिख दी। फजीर्वाड़ा कर बताया गया कि 400 सांड़ को हरियाणा और दिल्ली से स्कूटर और मोटरसाइकिल पर रांची तक ढोया गया। यानी घोटाले में जिस गाड़ी नंबर को विभाग ने पशु को लाने के लिए दशार्या था, वे मोटसाइकिल और स्कूटर के नंबर निकले। सीबीआई ने जांच में पाया कि कई टन पशुचारा, पीली मकई, बादाम, खल्ली, नमक आदि ढोने के लिए स्कूटर, मोटरसाइकिल और मोपेड का नंबर दिया गया था। जांच में सामने आया कि 1990-92 के दौरान 2 लाख 35 हजार में 50 सांड़, 14 लाख 4 हजार से अधिक में 163 सांड़ और 65 बछिया खरीदे गए थे। वहीं क्रॉसब्रिड की बछिया और भैंस की खरीद का करीब 84 लाख का भुगतान मुर्रा लाइव स्टॉक दिल्ली के प्रोपराइटर विजय मल्लिक ने की थी। इस घोटाले में हिंदुस्तान लाइव स्टॉक एजेंसी के आपूर्तिकर्ता संदीप मल्लिक पर भी भेड़ और बकरी के लिए 27 लाख 48 हजार रुपए भुगतान करने का आरोप है। सीबीआई ने जांच में कहा था कि ये व्यापक षड्यंत्र का मामला है। इसमें राज्य के नेता, कर्मचारी और व्यापारी सब भागीदार थे। इस मामले में बिहार के एक और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. जगन्नाथ मिश्र समेत राज्य के कई मंत्री गिरफ्तार किए गए थे।

बिहार जा रही बस ने बाइक के बाद ट्रक को मारी टक्कर, 2 की मौत, 18 यात्री घायल

कोडरमा। झारखंड के कोडरमा जिले में कोडरमा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लोकाई के समीप सोमवार सुबह करीब 9 बजे हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि बस में सवार 18 से अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों में कई की स्थिति गंभीर बताई गई है। घायलों का इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है। बस चालक के बारे में बताया जाता है कि वह शराब के नशे में था। इस कारण यह बड़ा हादसा हुआ है। जानकारी के मुताबिक सरिया-गिरिडीह से कोडरमा होते हुए बिहार के नवादा जा रही बस गौरव (बीआर 27 4781) लोकाई तालाब के समीप बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे मोटरसाइकिल (जेएच 12डी 4230) पर सवार दोनों युवकों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। इस हादसे के बाद बस चालक ने भागने के चक्कर में कुछ दूर आगे जाकर संत क्लेयर्स स्कूल के समीप एक ट्रक को भी पीछे से टक्कर मार दी, जिससे बस पर सवार 18 से अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों में दो बच्चे भी शामिल हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी घायलों को निकाल कर इलाज के लिए सदर अस्पताल भिजवाया गया।

सीएम योगी के 80 बनाम 20 पर अमित शाह बोले यह चुनाव हिंदू मुस्लिम या यादव पर नहीं

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों चुनावी जंग को 80 बनाम 20 फीसदी की लड़ाई बताया था। लेकिन होम मिनिस्टर अमित शाह का कहना है कि यह चुनाव हिंदू, मुस्लिम अथवा यादव का नहीं है। योगी आदित्यनाथ के बयान को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में अमित शाह ने यह बात कही। उन्होंने कहा, मैं नहीं मानता कि यह चुनाव हिंदू, मुस्लिम अथवा यादव को लेकर है।

योगी जी ने शायद वोट प्रतिशत की बात की थी, हिंदू अथवा मुस्लिम की बात नहीं की। क्या इस चुनाव में ध्रुवीकरण हो रहा है। इस सवाल पर अमित शाह ने कहा, हां ध्रुवीकरण हो रहा है। गरीब और किसानों का ध्रुवीकरण हो रहा है। तमाम किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत पैसे मिल रहे हैं। मैं ध्रुवीकरण साफ देख रहा हूं। उन्होंने कहा, हमने कोई कसर नहीं छोड़ी है। समाज के हर वर्ग को हमने फायदा पहुंचाया है। इसके लिए हमने जाति और धर्म को नहीं देखा। जो भी योग्य था, उसे लाभ दिया गया। अमित शाह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के प्रयासों के चलते यूपी में ही 1.66 करोड़ महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन दिया गया। इसके अलावा 2.62 लाखकिसान परिवारों को शौचालय दिए गए। आज महिलाओं को खुले में शौच के लिए नहीं जाना पड़ता है। वे खुश हैं। करीब 40 लाख महिलाओं को पीएम मातृवंदना योजना से फायदा मिला है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यूपी के लोगों को बिजली और राशन की योजनाओं से भी फायदा पहुंचा है। अब यूपी के हर गांव में बिजली पहुंच चुकी है। करीब 2.68 करोड़ एलईडी बल्ब बांटे गए हैं। राज्य में 15 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त राशन गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मिल रहा है। इसके अलावा योगी जी की ओर से दाल, तेल और नमक तक दिया जा रहा है। 42 लाख लोगों को घर दिया गया है।

इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ भी एक बार 80 बनाम 20 की लड़ाई वाले बयान पर सफाई दे चुके हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ का कहना था कि 80 फीसदी से अर्थ उन लोगों से है, जो सुरक्षित माहौल चाहते हैं और भ्रष्टाचार से मुक्ति चाहते हैं। इसके अलावा 20 फीसदी लोग वो हैं, जो कमजोर कानून व्यवस्था चाहते हैं ताकि अपने अवैध कारोबार को आगे बढ़ा सकें। उनका कहना था कि राज्य के ऐसे 80 फीसदी लोग भाजपा के ही साथ हैं।

केसीआर, उद्धव और पवार की मुलाकात पर बीजेपी ने ली चुटकी, कहा- गैर कांग्रेस गठबंधन बनाने की हो रही कोशिश

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) के महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी)

के प्रमुख शरद पवार से मुलाकात पर चुटकी ली। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने चुटकी लेते हुए कहा कि यह सब राष्ट्रीय स्तर पर एक गैर-कांग्रेसी गठबंधन बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की हालत दिन भर दिन खस्ता हो रही है। बीजेपी प्रवक्ता ने तंज कसते हुए कहा कि जिनके पास देश के लिए कोई विजन और मिशन नहीं है वे प्रधानमंत्री बनने की ख्वाहिश रख रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि 2024 में भारत का पीएम कौन बनना चाहता है, ममता बनर्जी, राव या राहुल गांधी? भाजपा नेता ने कहा कि महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी सरकार में कांग्रेस की हालत खराब हो गई है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में गैर-कांग्रेसी गठबंधन बनाने के लिए शरद पवार और उद्धव ठाकरे तेलंगाना के मुख्यमंत्री से मिले हैं। पूनावाला ने कहा कि ऐसा लगता है कि बैठक में कांग्रेस के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया गया। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस गठबंधन में हैं। यह बैठक तब हुई जब तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों को भाजपा के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। गौरतलब है कि शिवसेना ने मुखपत्र 'सामना' के जरिए रविवार को कहा कि इस बैठक से भाजपा के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक एकता की प्रक्रिया तेज होगी। वहीं तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने इससे पहले भाजपा पर निशाना साधा था और कहा था कि इसे देश से 'निष्कासित' कर देना चाहिए नहीं तो देश 'बर्बाद' हो जाएगा। उन्होंने भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए राजनीतिक ताकतों को एक साथ आने का भी आह्वान किया था। बता दें कि भाजपा के खिलाफ विभिन्न विपक्षी दलों को एक साथ लाने के प्रयासों के तहत मुख्यमंत्री केसीआर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मिलने की भी योजना बना रहे हैं।

24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 20 हजार से भी कम केस, 206 लोगों की मौत

नई दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 16,051 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,28,38,524 हो गई है। पिछले 15 दिन से दैनिक मामलों की संख्या एक लाख से कम बनी हुई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 2,02,131 रह गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में 206 और लोगों की संक्रमण से मौत हुई है।

देश में 206 लोगों की मौत के साथ ही कुल मृतकों की संख्या बढ़कर 5,12,109 हो गई है। देश में अभी 2,02,131 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 0.47 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 22,056 की कमी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर 98.33 प्रतिशत हो गई है। उल्लेखनीय है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ के पार हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ के पार और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 26 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार पहुंच गए।

साइकिल का अपमान, पूरे देश का अपमान, ग्रामीण भारत का करती है प्रतिनिधित्व : अखिलेश यादव

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आतंकवादियों द्वारा साइकिल चुनने की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि साइकिल का अपमान पूरे देश का अपमान है। पीएम के हमले के जवाब में अखिलेश ने अपनी पार्टी के चुनाव चिन्ह साइकिल पर हिंदी में एक कविता सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उसे आम आदमी की सवारी और गांवों के गौरव के रूप में पेश किया। अखिलेश ने लिखा खेत और किसान को जोड़ कर उसकी समृद्धि की नींव रखती है, हमारी साइकल, सामाजिक बंधनों को तोड़ बिटिया को स्कूल छोड़ती है, हमारी साइकल। महंगाई का उसपर असर नहीं, वो सरपट दौड़ती है, हमारी साइकल, साइकल आम जनों का विमान है, ग्रामीण भारत का अभिमान है, साइकल का अपमान पूरे देश का अपमान है। यूपी में तीसरे चरण के चुनाव के दिन

रविवार (20 फरवरी) को पीएम मोदी ने 2008 के अहमदाबाद सीरियल बम धमाकों के दोषी 49 लोगों के संदर्भ में समाजवादी पार्टी के चुनाव चिह्न साइकिल को आतंकवादियों से जोड़कर टिप्पणी की थी। पीएम मोदी ने यूपी की हरदोई में एक जनसभा में कहा था आज मैं इसका जिक्र इसलिए कर रहा हूं क्योंकि कुछ राजनीतिक दल आतंकवादियों पर नरम हो गए हैं। अहमदाबाद में विस्फोट दो तरह से किए गए थे। पहला शहर में 50-60 स्थानों पर किया गया था और इसके दो घंटे बाद, एक विस्फोट अस्पताल के एक वाहन में हुआ, जिसमें घायलों को देखने रिश्तेदार, अधिकारी और नेता वहां जा रहे थे। उस धमाके में कई लोगों की मौत हुई थी। शुरूआती धमाकों में बम साइकिल पर रखे गए थे। मुझे आश्चर्य है आतंकवादियों ने साइकिल क्यों चुनी? पीएम मोदी ने समाजवादी पार्टी पर 2006 में वाराणसी और 2007 में अयोध्या और लखनऊ में हुए विस्फोटों के आरोपियों के खिलाफ मामले वापस लेने का भी आरोप लगाया।

कोरोना के बीच विभिन्न राज्यों ने शुरू किया स्कूल खोलने का सिलसिला, बढ़ी अभिभावकों की चिंता

नई दिल्ली। कोरोना के मामले देश में कम होने लगे हैं। मामलों को कम होता देख राज्य सरकारें कोरोना संबंधित प्रतिबंधों पर ढील देनी शुरू कर दी है। इतना ही नहीं, कई राज्यों में तो नर्सरी से 5वीं क्लास के बच्चों के लिए स्कूलों को दोबारा खोलने की घोषणा कर दी गई है। ऐसे में पेरेंट्स अपने बच्चों की सेहत के प्रति चिंतित होने के साथ काफी डरे हुए भी हैं। अब तक देश में 15 साल से नीचे के बच्चों के लिए कोरोना का टीका उपलब्ध नहीं है। ऐसे में आप बच्चों को स्कूल भेजते भी हैं और उनमें कोरोना से संबंधित कोई भी हल्के लक्षण नजर आएं, तो नजरअंदाज न करें। बच्चों में कोरोना के लक्षणों को पहचानकर आप उनकी देखभाल यूं करें। यदि आप बच्चे को स्कूल भेज रहे हैं, तो उन्हें कोविड प्रोटोकॉल के बारे में समझा दें। जिन बच्चों को वैक्सीन नहीं लगी है, उनके लिए कोविड-19 सेफ्टी रूल्स को फॉलो करना जरूरी है, ताकि वे संक्रमित नहीं हों। बाहर की तुलना में क्लासरूम में संक्रमित होने की संभावना अधिक होती है, क्योंकि वहां कई बच्चे होते हैं। ऐसे में मास्क पहने रहना, सोशल डिस्टेंसिंग मेंटेन रखना, खाने-पीने से पहले हाथों को साफ करना, क्लासरूम में सही वेंटिलेशन आदि होना जरूरी है। वयस्कों की तरह बच्चे भी कोरोना से संक्रमित हो सकते हैं, लेकिन उनमें अधिक गंभीर रूप से कोरोना होने की आशंका कम होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, बच्चों और किशोरों में कोरोना का संक्रमण कम गंभीर होता है और वयस्कों की तुलना में उनमें मौत भी कम होती है। इसके साथ ही छोटे बच्चों, स्कूल जाने वालों बच्चों और किशोरों में बड़ों की तुलना में लक्षण भी बहुत हल्के नजर आते हैं। कई रिपोर्ट्स में तो यह भी सामने आया है कि कुछ बच्चों में कोरोना के लक्षण नजर भी नहीं आते हैं, यानी वे एसिम्प्टोमैटिक होते हैं।

अगले पांच सालों में डेंगू की प्रभावी दवा के विकास के लिए किया करार

नई दिल्ली। पिछले दो सालों में कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया में आर्थिक और सामाजिक स्तर पर लोगों को हिलाकर रख दिया है। वह अब तक कम नहीं हुई है। वैक्सीन भी शत प्रतिशत कारगर नहीं है। इसलिए पूरी दुनिया अब भी इसका इलाज ढूंढने में लगी है। दरअसल, कोरोना ने हमारी स्वास्थ्य सेवाओं की कमियों को उजागर कर दिया है। यही कारण है कि दुनिया भर के सरकारें स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं को प्राथमिकता में लेने लगी है। देश में डेंगू भी एक बहुत बड़ी स्वास्थ्य चुनौती है। हर साल हजारों लोगों को डेंगू की बीमारी होती है।

इस बीमारी का भी कोई इलाज नहीं है। अब भारत सरकार डेंगू की बीमारी से निपटने के लिए आर-पार की लड़ाई के मूड में आ गई है। इसके लिए बायोटेक्नोलॉजी विभाग के ट्रांजीशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नालाजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई) ने ड्रग्स फार नेगलेक्टेड डिसीजेज इनीशिएटिव (डीएनडीआई) इंडिया फाउन्डेशन के साथ समझौता किया है। इस समझौते के तहत अगले पांच साल के अंदर डेंगू की प्रभावशाली दवा को विकसित किया जाएगा।

इस योजना के तहत सरकारी संस्था और गैर सरकारी संस्था मिलकर रिसर्च करेंगे और डेंगू के लिए प्रभावकारी, सुरक्षित और सस्ती दवा विकसित करेंगे। इस योजना से परिचित अधिकारी ने यह जानकारी दी है। आंकड़ों के

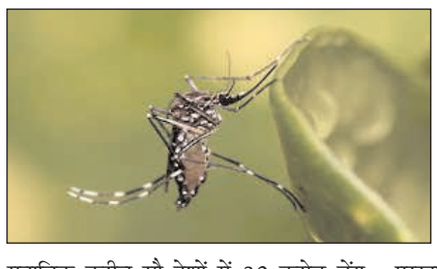

मुताबिक करीब सौ देशों में 39 करोड़ डेंगू संक्रमण के मामले हर साल आते हैं। इनमें से 70 प्रतिशत मामले एशिया में आते हैं। 2021 में भारत में 164,103 डेंगू के मामले आए थे जबकि 2019 में 205, 243 नए मामले आए थे। टीएचएसटीआई के कार्यकारी निदेशक प्रमोद कुमार गर्ग ने बताया, डेंगू के लिए अब तक कोई एंटीवायरल दवाई नहीं है। इसमें वैक्सीनन का इस्तेमाल भी सीमित है। हालांकि डेंगू के इलाज के लिए रिसर्च हो रही है, लेकिन अब तक हमने इस दिशा में कोई कारगर परिणाम हासिल नहीं कर सके। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि हम इस दिशा में अपने प्रयासों को बढ़ा दें ताकि लाखों लोगों को इसके दुष्प्रभाव से बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि डीएनडीआई इंडिया फाउंडेशन के साथ साझेदारी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे हम प्रभावकारी दवा विकसित करने में कामयाब होंगे। इस साझेदारी के तहत डेंगू के उपचार के लिए प्री क्लिनिकल अध्ययन किया जाएगा। इसमें पहले से तैयार दवाइयों का उपयोग कर यह परखा जाएगा कि इनका प्रभाव डेंगू पर कितना होता है। इसके साथ ही किफायती और सुलभ उपचार के नए तरीकों को भी खोजा जाएगा। क्लिनिकल ट्रायल में दो दवाइयों के कंबिनेशन को भी परखा जाएगा। बीमारी के विभिन्न चरणों में इन दवाइयों का परीक्षण किया जाएगा। डेंगू विश्व में सार्वजनिक स्वास्थ्य के 10 सबसे बड़े जोखिमों से एक है।

2024 के आम चुनाव पर फोकस करना चाहती हैं ममता, बुलाई वर्किंग कमेटी की बैठक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) में मतभेदों के बीच 10 मार्च को नेशनल वर्किंग कमिटी की दूसरी बैठक बुलाई है। पहली बैठक शुक्रवार को हुई थी। ममता बनर्जी अब 2024 के आम चुनाव पर फोकस करना चाहती हैं और देशभर में पार्टी का विस्तार करना चाहती हैं। टीएमसी इस बार वह गोवा में भी विधानसभा चुनाव लड़ रही है। सूत्रों के अनुसार 10 मार्च को पार्टी की वर्किंग कमिटी की दूसरी बैठक नई दिल्ली में होगी। उस समय ममता बनर्जी भी दिल्ली में होंगी। इस दौरान वह कई बड़े नेताओं से मुलाकात भी कर सकती हैं। पिछली बैठक में ममता बनर्जी ने पार्टी के नेताओं से कहा था कि उन्हें केंद्र में ज्यादा एक्टिव होने की जरूरत है। दिल्ली में इस बैठक के मद्देनजर राष्ट्रीय प्रवक्ताओं की एक टीम तैयार की गई है, जिसमें महुआ मोइत्रा, सुखेंदु शेखर रॉय और काकोली घोष दस्तीदार शामिल हैं। दस्तीदार अभी हाल ही में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता बने हैं। बता दें कि ममता बनर्जी ने भतीजे अभिषेक बनर्जी को दोबारा राष्ट्रीय महासचिव बनाया है। वहीं यशवंत सिन्हा, सुब्रत बख्शी और चंद्रिमा

भट्टाचार्य को उपाध्यक्ष बनाया गया है। 31 मार्च से पहले सभी पदाधिकारियों के नाम चुनाव आयोग को दिए जाएंगे। बनर्जी ने एनडब्लूसी से नीतियों का ड्राफ्ट तैयार करने के भी निर्देश दिए हैं। सिन्हा को एक्सटर्नल अफेयर्स कमिटी और अमित मित्रा को इकनॉमिक पॉलिसी कमिटी का अध्यक्ष बनाया गया है।

चिंतन मनन

चरम पर तनाव

रूस से चल रहे गतिरोध के बीच यूक्रेन की सेना ने दावा किया है कि शनिवार को पूर्वी यूक्रेन में रूस समर्थक अलगाववादियों की गोलाबारी में दो सैनिक मारे गए और जबकि चार घायल हो गए। यूक्रेनी सेना ने अपने फेसबुक पेज पर कहा कि उसने दिन की शुरूआत से अलगाववादियों द्वारा 70 संघर्ष विराम उल्लंघन दर्ज किए हैं। मालूम हो कि इससे पहले शनिवार को पूर्वी यूक्रेन में अलगाववादी नेताओं ने युद्धग्रस्त क्षेत्र में हिंसा और पश्चिम में इस आशंका के बीच शनिवार को पूर्ण सैन्य लामबंदी का आदेश दिया कि रूस इस संघर्ष का इस्तेमाल हमले के बहाने के रूप में कर सकता है। यूक्रेन-रूस के बीच चल रहे तनाव और रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला किए जाने की आशंका के बीच रूस ने यूक्रेन की सीमा के पास परमाणु बल सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया। राष्ट्रपति पुतिन ने इस अभ्यास की शुरूआत की और बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ मिलकर नियंत्रण केंद्र में बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षण प्रक्षेपण को भी परखा। रूस के इस सामरिक युद्धाभ्यास से पश्चिमी देशों की चिंताएं बढ़ गई हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का मानना है कि रूस हमले का निर्णय ले चुका है और वो परमाणु हमले के विकल्प पर भी विचार कर रहा है। यूक्रेन की सीमाओं पर रूस की सेना की तैनाती के चलते लगातार पूर्वी यूरोप में तनाव की स्थिति बनी हुई है। रूस ने अपने सवा लाख सैनिकों की तैनाती को लेकर कहा है कि उसने अब उन्हें वापस बुलाना शुरू कर दिया है, लेकिन अमेरिका और नाटो देश इस बात पर भरोसा नहीं जता रहे हैं। ऐसे में यूक्रेन में लगातार तनाव की स्थिति बनी हुई है। रूस के बाद क्षेत्रफल की दृष्टि से यूक्रेन यूरोप का दूसरा सबसे बड़ा देश है और उसका किसी भी पाले में जाना उस पक्ष को मजबूत करेगा। ऐसे में यूक्रेन बेहद अहम है और आने वाले दिनों में वैश्विक राजनीति के परिदृश्य को बदलने की क्षमता रखता है। खासतौर पर रूस के लिए यूक्रेन बेहद अहम हो गया है। रूस आने वाले दिनों में महाशक्ति बनेगा या फिर महज एक देश ही रह जाएगा। इसका फैसला यूक्रेन विवाद करने की ताकत रखता है। सोवियत संघ का हिस्सा रहे लिथुआनिया, लाटविया समेत रूस के कई पड़ोसी देशों को अमेरिका ने नाटो में शामिल कर लिया है। इसे रूस की घेरेबंदी के तौर पर देखा जाता है। इन देशों में पोलैंड, नॉर्वे, एस्टोनिया भी शामिल हैं। अब अमेरिका की नजर यूक्रेन को नाटो में शामिल करने पर है। इसी पर रूस को आपत्ति है और वह किसी भी तरह के युद्ध को टालने के लिए अमेरिका से यह गारंटी चाहता है कि वह यूक्रेन को नाटो में शामिल न करे। पिछले दिनों व्लादिमीर पुतिन ने सोवियत संघ के विघटन को दुखद करार दिया था। उनकी महत्वाकांक्षा यूक्रेन को रूस में शामिल करने की है। यदि ऐसा होता है तो रूस एक महाशक्ति के तौर पर उभरेगा, जो शीत युद्ध से पहले हुआ करता था। यदि यूक्रेन नाटो में जाता है तो फिर रूस के लिए बड़ा झटका होगा। यूक्रेन को दो हिस्सों पश्चिम और पूर्व में बांटकर देखा जाता रहा है। इसमें पूर्वी यूक्रेन पर रूस का बड़ा प्रभाव है और उसकी भाषा को समझने वाले लोगों की बड़ी संख्या है। यहां रूसी मूल के लोग अकसर यूक्रेन के खिलाफ विद्रोह करते रहे हैं। यही वजह है कि एक तरफ रूस की सेना यूक्रेन की सीमा पर डटी हैं तो वहीं अंदर से भी वह मजबूत है। ऐसे में यूक्रेन को रूस से अलग कर पाना पश्चिमी देशों के लिए आसान नहीं होगा। इसके अलावा यूक्रेन की आर्थिक स्थिति भी कमजोर है, जिसे रूस और कमजोर करने की कोशिश में जुटा है। अमेरिका ने पिछले दिनों इस मसले को लेकर चीन पर भी निशाना साधा था। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हाल ही में चीन के दौरे पर भी गए थे। दरअसल दोनों देशों के बीच बीते कई सालों में संबंध काफी मजबूत हुए हैं और कारोबार भी तेजी से बढ़े हैं। रूस अपने सामान का बड़ी मात्रा में यूरोपीय देशों को निर्यात करता है। यदि युद्ध होने की स्थिति में यूरोपीय देश उस पर बैन लगाते हैं तो फिर चीन के साथ वह कारोबार को बढ़ाकर इसकी भरपाई कर सकता है। यही वजह है कि चीन लगातार रूस के पाले में खड़ा नजर आ रहा है। इसके अलावा अमेरिका से दोनों देशों के मतभेद भी साथ आने की एक बड़ी वजह हैं। पुतिन वर्षों से यूक्रेन पर पकड़ बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हिल ने कहा, पुतिन ने 2006 में यूक्रेन को गैस काट दी। वह 22 साल से सत्ता में है। इस दौरान उन्होंने यूक्रेन को क्रॉस हेयर में रखा है और यह समय के साथ तेज हो गया है। पुतिन वह व्यक्ति बनना चाहते हैं, जिसने अपनी अध्यक्षता में यूक्रेन को रूस में वापस लाने का काम किया। इससे वह 2036 तक राष्ट्रपति बने रह सकते हैं, जो कि उनके लिए संभव है। विश्लेषकों का कहना है कि पुतिन चाहते हैं कि रूस की परिधि के सभी देश रूस समर्थक हों। यही कारण है कि यूक्रेनी सरकार की ओर से पश्चिम के नेतृत्व वाले नाटो गठबंधन के प्रति किए गए प्रस्तावों ने उन्हें नाराज कर दिया। सीआईए के रूसी कार्यक्रम के पूर्व प्रमुख जॉन सिफर ने कहा, "वह चाहते हैं कि उनकी विरासत अतीत के जार या सोवियत संघ के प्रमुखों की तरह हो। वह रूस को एक ऐसे स्तर पर ले जाना चाहता है, जहां विश्व मंच पर उसका डर, सम्मान और गंभीरता से व्यवहार किया जाता है।

शरीर तो मंदिर है

आस्तिकता और कर्त्तव्यपरायणता की सद्वृत्ति का प्रभाव सबसे पहले सबसे समीपवर्ती स्वजन पर पड़ना चाहिए। हमारा सबसे निकटवर्ती सम्बन्धी हमारा शरीर हैं। उसके साथ सद्व्यवहार करना, उसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। शरीर को नर कहकर उसकी उपेक्षा करना अथवा उसे सजाने-संवारने में सारी शक्ति खर्च कर देना, दोनों ही ढंग अकल्याणकारी हैं। शरीर हमारा सदा सहायक सेवक है। वह चौबीसों घंटे सोते-जागते हमारे लिए काम करता रहता है। वह अपनी सामर्थ्य भर आज्ञा पालन के लिए तत्पर रहता है। उसकी पांच ज्ञानेन्द्रियां न केवल ज्ञान वृद्धि का दायित्व उठाती हैं, वरन अपने-अपने ढंग से अनेक रसास्वादन भी कराती रहती हैं। इन विशेषताओं के कारण आत्मा उसकी सेवा-साधना पर मुग्ध हो जाती है और अपना सुख ही नहीं, अस्तित्व तक भूल उसी में रम जाती है। यह घनिष्ठता इतनी सघन हो जाती है कि व्यक्ति आत्मा की सत्ता और आवश्यकता तक भूल जाता है और शरीर को अपना ही आपा मानने लगता है। ऐसे वफादार सेवक को समर्थ, निरोग एवं दीर्घजीवी बनाए रखना प्रत्येक विचारशील का कर्त्तव्य है। चाहते तो सभी ऐसा ही हैं, पर जो रहन-सहन, आहार-विहार अपनाते हैं, वह विधा ऐसी उल्टी पड़ जाती है कि उसके कारण अपने प्रिय पात्र को अपार हानि उठानी पड़ती है और रोता-कलपता, दुर्बलता से ग्रसित होकर व्यक्ति असमय दम तोड़ देता है। स्वस्थ-समर्थ रहना कठिन नहीं है। प्रकृति के संकेतों का अनुसरण करने भर से यह प्रयोजन सिद्ध हो सकता है। प्रकृति के संदेश-संकेतों को जब सृष्टि के सभी जीवधारी मोटी बुद्धि होने पर भी समझ लेते हैं तो कोई कारण नहीं कि मनुष्य जैसा बुद्धिजीवी उन्हें न अपना सके। प्रकृति के स्वास्थ्य रक्षा के नियमों के लिए गुरुगम्य ज्ञान की आवश्यकता नहीं। वे सहज समझे और निबाहे जा सकते हैं। उचित-अनुचित का निर्णय करने वाले यंत्र इसी शरीर में लगे हैं, जो तत्काल बात देते हैं कि क्या करना चाहिए, क्या नहीं। आहार-विहार का ध्यान रखने से स्वास्थ्य रक्षा की समस्या हल हो जाती है। आहार प्रमुख पक्ष है, जिसे स्वास्थ्य अनुशासन का पूर्वार्ध कहा जा कसता है। उत्तरार्ध में विहार आता है, जिसका तात्पर्य है नित्य कर्म, शौच, स्नान, शयन, परिश्रम, संतोष आदि। शरीर रूपी मन्दिर को मनमानी बुरी आदतों के कारण रुग्ण बनाना प्रकृति की दृष्टि में बड़ा अपराध है। उसके फलस्वरूप पीड़ा बेचैनी, अशक्ति, अल्पायु, आर्थिक हानि और तिरस्कार जैसे दंड भोगने पड़ते हैं।

कांग्रेसी नेताओं के अलगाववादी बयान और नागरिक चिंताएं

भारत के किसी राज्य के स्थाई निवासी के नाते अपमान क्या है? आज यूपी या बिहार के किसी भी स्थाई निवासी से पूछ लो ,जो एक राष्ट्रीय पार्टी "कांग्रेस" के स्वयम्भू नेताओ के यूपी या बिहारियों के लिए अपमानजनक अलगाववादी बयान दे रहे हैं। कांग्रेसी शीर्ष नेताओं के बयानों से अपमानित अवमानित यूपी और बिहार के लोगों से कोई पूछे तो वे अपने प्रति कांग्रेसी नेताओं का अनमनापन, प्रयोजनशून्यता, दिशाहीनता, रिक्तता अलगाववाद एवम अपमान को अच्छे से समझ चुके आक्रोशित ही मिलेंगे। इन बयानों से क्षुब्ध यूपी बिहारी बन्धु बहिने मौजूदा समय में कांग्रेसी राजनीति में अपने आप को पूरी तरह से अप्रासंगिक और तिथिबाह्य पा रहे हैं ।

आज कांग्रेस के पँजाब के मुख्यमंत्री श्री चन्नी का चुनावी मंच से दिया गया, यह बयान की यूपी बिहार के भय्यों का पँजाब में क्या काम ? और लड़की हूं लड़ सकती हूं नारे की प्रणेता प्रियंका वाड्रा द्वारा तालियां बजा बजा कर चन्नी के बयान पर प्रसन्नता और समर्थन से यूपी बिहार मूल के लोग दुखी और आक्रोशित हैं। मोदी विरोधी कांग्रेस के सहयोगी विपक्ष की चुप्पी से विभिन्न राज्यो में रह रहे यूपी बिहारी मूल के लोगो मे इन राज्यों में अपने रोजगार के अस्तित्व का संकट घर कर गया है, वे ऐसी मनोदशा में हैं मानो जैसा किसी परग्रही को अन्य ग्रह पर लगता होगा।

विगत दिनों संसद में कांग्रेसी नेता राहुल गांधी का यह बयान कि "भारत राष्ट्र नही है" से पीड़ित देशभक्त नागरिकों को प्रधानमंत्री मोदी जी के उक्त विषय मे प्रत्युत्तर से सांत्वना अवश्य मिली है, जिसमे उन्होंने राष्ट्रत्व के उस साझे तत्व को परख कर उसमे राहुल के वक्तव्य से उपजी नागरिकों की पीड़ा की सुन्दरता और शोक की अस्मिता को उदाहरणों सहित एक एकात्मक अखण्ड अटूट राष्ट्रत्व लय में रखा था। बीते लोकसभा चुनाव के समय भी केरल के वायनाड में यूपी बिहार के लोगों को राहुल गांधी ने गंवार कहा था , जिसे आज भी किसी दिन सोशल मीडिया

पर अपलोड किसी वीडियो में सुनने के बाद यूपी बिहार के लोगो के भीतर एक स्तब्ध सूनापन गूँजने लगता है, आज भी कांग्रेस शासित राज्यो में यूपी बिहार के लोग इन बयानों के मद्दे नजर अपने आप को सुरक्षित नही पाते तथा असुरक्षित भविष्य से शंकित होकर कुछ नया उद्यम या रोजगार भी आरम्भ नहीं कर सकते। मेरी राजस्थान ,पँजाब ,छतीसगढ़ ,महाराष्ट्र में रह रहे कुछ लोगो से इस विषय पर चर्चा हुई बकौल उनके वे कांग्रेसी शासन में एक अधूरेपन ,अलगाववादी भयग्रस्तता के अंतर्भाव से ग्रसित थे। रोजगार की दृष्टि से वे अवकाश की सी भावमुद्रा में है। वह अवकाश वैसे ही अनमनेपन और प्रयोजनहीनता से भरा था- जो दो राष्ट्रों के नागरिकों के बीच रहता है।

यूपी बिहारी बन्धु कांग्रेस शासित राज्यों में इन नेताओं के बयानों के बाद कारावास और निर्वासन की भाव मुद्रा में आ गए हैं । राष्ट्रतात्विक मनोविज्ञान के संवैधानिक अर्थों में देश की एकरूपता व सांस्कृतिक राष्ट्रत्व की भावमुद्रा को कांग्रेसी बयानों के स्वर ने अशांत और अस्वीकार्यता के स्तर पर लाकर राष्ट्रद्रोह जैसा पाप किया है ।सौभाग्य से एक समझदार प्रधानमंत्री द्वारा चीन से किसी सम्भावित समझौते के क्रियान्वयन के प्रयोजन से दिए जा रहे इन बयानों , हिजॉब विवाद जैसे फिजूल के मुद्दों पर राहुल गांधी के कट्टर जेहादी समर्थकों द्वारा भारत को अशांत करने के मंसूबों का संज्ञान ले लिया है । भारत एक राष्ट्र है ,इसके समस्त नागरिक संविधान के द्वारा समान मौलिक विधिक अधिकार पाएं हुए हैं । कांगेस अपनी विदेशी मूल की अध्यक्षा एवम उनके वर्णसंकर पुत्र पुत्रियों की इस मूर्खतापूर्ण बयानबाजी से जितनी जल्दी निजात पा लेगी उतना ही नागरिकों के बीच एकता अखण्डता का एक रूपक फिर से राष्ट्र जीवन में निर्मित होगा । राष्ट्र के सर्वांगीण ,समन्वयित, समरस, सर्वसमावेशी विकास के एकमेव लक्ष्य से गूंथा हुआ ,सर्वपंथ समभाव से बँधा हुआ राष्ट्र जीवन फिर से निर्मित हो जाएगा । । राष्ट्र की एकता अखण्डता के हित मे होगा कि कांग्रेस की विदेशी मूल की नेत्री माँ ,बेटा और बेटी सक्रिय राजनीति से देशहित में स्वयम ही दूर होकर कोई नया रोजगार धंधा प्रारम्भ करें । लाइम लाइट से दूर होकर देशाटन करें , यूपी बिहारी भाई बहिन कितनी मेहनत से अपना जीवन यापन एवम देश के विकास में लगे हैं ,यह जानने के लिए उनकी बस्ती झुग्गियों और मोहल्लों ,निर्माण कार्यों के स्थलों में कुछ दिन उनके साथ रहे । उनके तीज त्योहार में शामिल हों , उनकी भाषा बोली बोलना सीखें । उनके लोकगीतों को सीखे गायें । उनके राष्ट्रीय महापुरुष और विदेशी हमलावरों के विरुद्ध देश के लिए लड़ते हुए उनके पूर्वजों के बलिदान की गाथाएं पढ़ें । कुल मिलाकर देश के लिए देश की आत्मा या चिति को समझें । यह उद्यम उनके मनोभावों के उन आशयों को पूर्ण कर देगा- जिससे मुक्ति या निर्वाण मिले- तथा इससे राष्ट्र जीवन में नागरिकों को कुछ दिनों के लिए संतोष भी अवश्य मिलेगा । अपमानित और अवमानित' यूपी बिहारी भाइयो बहिनो के लिये कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा दिए गए बयानों के लिए यही सही प्रायश्चित होगा । शेष बची कमजोर कांग्रेस के लिए अब भी यह सम्भव है, उसमें अवसान की चेतना चाहे जितनी सघन हो,लोकतांत्रिक राष्ट्र में एक शक्तिशाली विपक्ष सुदीप्त क्षितिज सदैव सुदूर कौंधता रहेगा। वैसे वर्तमान में चुनावी क्षेत्रों में रह रहे यूपी बिहार मूल के मतदाता बन्धु कांग्रेसी नेताओं के इन बयानों एवम सहयोगी राजनीतिक दलों की चुप्पी के आलोक में अपनी राजनीतिक समझ का परिचय वर्तमान निर्वाचन में कांग्रेस को अवश्य करा देंगे ।

अब पता लगा कि डायनासोरों को कोरोना ने ही निबटाया था

कहते हैं कि हजारों लाखों साल पहले इस धरती पर विशालकाय डायनासोर हुआ करते थे, लेकिन धीरे धीरे उनका वजूद खत्म हो गया और अब डायनासोर सिर्फ फोटुओं में दिखाई देते हैं' ये डायनासोर कैसे खतम हो गए उनकी मौत का क्या कारण था इस पर खोजबीन जारी थी और अब जाकर पता लगा कि ये साला "कोरोना" डायनासोरों पर भी भारी पड़ गया था' कहा तो ये जा रहा था कि ये कोरोना चीन में बनाये गए वायरस से उत्पन्न हुआ हैं लेकिन अमेरिका के मोटान राज्य के माल्टा शहर के "डाक्टर कैरी वुडरफ" ने बताया कि उनकी खोज से ये बात सामने आई कि डायनासोरों को भी सर्दी होती थी, खांसी आती थी, बुखार भी चढ जाता था और फेंफडों में भी संक्रमण हो जाता था और उससे उनकी मौत हो जाती थी' ये सारे लक्षण तो कोरोना के ही हैं यानि ये साला कोरोना उस जमाने से दुनिया में घूम रहा हैं और डायनासोरों जैवे विशालकाय जानवरों को तक अलसेठ दे चुका हैं तो इंसान की बिसात ही क्या है , यानी सारे डायनासोर इसी चक्कर में मरे होंगे क्योकि उस जमाने ने "प्राइवेट अस्पताल" तो होते नहीं थे कि बेचारे भर्ती हो जाते, सरकारी अस्पतालों की हालत लगता है उस वक्त भी ऐसी ही रही होगी जैसी आज हैं कि अगर वंहा गए तो लौट कर आ जाओगे इस बात की कोई गारंटी नहीं है' डायनासोरों के पास न तो "मास्क" था और न ही वे "सोशल डिस्टेंसिंग" का पालन ही करते होंगे, कोई ऐसा नेता भी नहीं रहा होगा जो सारे देश में "लॉक डाउन" की घोषणा कर दे यानि किसी एक डायनासोर को कोरोना हुआ होगा तो उसने पूरी जात के डायनासोरों में ये बीमारी फैला दी होगी' उस जमाने में "रेमेडिसीवर इंजेक्शन" भी नहीं रहे होंगे और न ही नकली रेमेडिसीवर बनाने और लगाने वाले अस्पताल के संचालक ही रहे होंगे, यानि कुल मिलकर ये डायनासोर बिना इलाज के खत्म हो गए होंगे' अगर कम से काम मास्क ही लगा लेते तो बच जाते लेकिन उनके मुंह के बराबर का मास्क भी तो "अवेलेबल" नहीं होता होगा लगाते तो लगाते , कैसे "आइसोलेट" भी नहीं हो पाए होंगे ऐसे में कोरोना फैलना था तो फैल गया' अमेरिका के डाक्टर ने ये अच्छी खोज करी, नाहक ही सब लोग चीन को गरिया रहे थे कि चाइना ने कोरोना का वायरस बना दिया हैं लेकिन इस खोज से साफ हो गया कि ये कोरोना लाखों साल पुराना है एक बात जरूर हैं कि यदि उस वक्त "वेक्सीन" आ जाती तो वेक्सीन के दोनों और बूस्टर डोज लगवाने वाले डायनासोर जिंदा रहे आते और उन्हें हम सिर्फ फोटुओं में नहीं बल्कि सामने भी देख पाते'

ये गुरु महाराज भी बड़े अजीब हैं- लो भैया जो लड़के सर पर सेहरा बाँध कर घोड़ी पर चढ़कर अपने दोस्तों का नागिन डांस देखते हुए दुल्हन के द्वार पर जाने की सोच रहे थे उनको अपने "गुरु महाराज" ने अड़ी पटक दी हैं , अब वे "अस्त" हो गए हैं और पंद्रह अप्रेल को फिर से उदय होंगे, यानी इतने दिनों तक शादी ब्याह पर स्टॉप लग गया है जो दुल्हे इस बीच निबट गए तो निबट गए और जो रह गए उन्हें अब उन्हीं गुरुजी के उदय होने का इन्तजार करना पड़ेगा' अभी तो अपने को "सूरज" के उदय और अस्त होने के बारे में मालूम था ये गुरूजी कब से उदय और अस्त होने लगे हैं लेकिन पंडित लोग बताते हैं कि उनके उदय और अस्त होने का सिलसिला तो hajaro साल पुराना हैं चूंकि गुरु महाराज शादी ब्याह के देवता माने जाते हैं इसलिए जब अस्त हो जाते हैं तो शादी ब्याह रुक जाती हैं कभी शुक्र महाराज भी अस्त हो जाते हैं उस वक्त भी इन शादी ब्याह करने वाले लड़की और लड़कियों को परेशानी हो जाती हैं' कभी देवता सो जाते हैं तो कई महीने शादी ब्याह नही हो पाती हैं और जब देवता जागते हैं तो शादी ब्याह की भरमार हो जाती हैं, पंडितों के ये हाल हो जाते हैं कि एक फेरा यंहा का करवाते हैं तो दूसरा फेरा दूसरे दूल्हे का, एक मंत्र इस शादी में पढ़ते हैं तो दूसरा मन्त्र दूसरी शादी में हलवाई एक जगह "रसगुल्ला" बनाकर आता हैं तो दूसरी जगह "मूंग का हलुआ" बनाने पहुंच जाता हैं अपनी तो "गुरूजी" से और "शुक्राचार्य जी" से एक ही विनती हैं कि ये अस्त और उदय होने की परंपरा खत्म करो हमेशा जागते रहो।

जीवन की सहजता मातृभाषा में ही सुरक्षित - डॉ.आरसी पांडेय

जीवन की सहजता व प्रवाहमयता मातृभाषा में सुरक्षित रहती है । मातृभाषा ही वह आधार है जिसके चलते मनुष्य अन्य भाषाओं को आसानी से ग्रहण कर पाता है । अपनी भाषा में ज्ञान की बेरोकटोक आवाजाही अबाध गति से चलती रहती है । दुनिया के सभी मनुष्यों की कोई न कोई अपनी मातृभाषा होती ही है । सभी मातृभाषाएं श्रेष्ठ व गौरवपूर्ण होती है । व्यक्ति व समाज को आगे बढ़ाने में सभी मातृभाषाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होती है । मातृभाषा के लिहाज से देखें तो सभी भाषाओं का महत्व समान है कोई भी भाषा बड़ी व छोटी नहीं होती। फिर भी कुछ भाषाओं का वर्चस्व स्थापित करने के लिए उन्हें श्रेष्ठ साबित करने की कोशिश की जाती रहती है । कहना न होगा की यह प्रवृत्ति बेहद घातक होती है ।

भारत के संदर्भ में देखें तो बहुभाषिकता हमारी पहचान व संस्कृति का अहम हिस्सा है । इस भाषाई विविधता को बरकार रख अपनी विरासत को सहेजे रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व भी है । आज के डिजिटल दौर में अनेक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं। भाषाओं का लुप्त होना एक परंपरा व संस्कृति का लुप्त होना है । हमें अपनी मातृभाषा पर नाज रखते हुए उसके विकास के प्रति सचेत रहना चाहिए । अपनी मातृभाषा में साहित्य सृजन कर उसे अक्षुण्य बनाया जा सकता है । भाषा के संरक्षण में सरकारी नीतियों की भी अनिवार्य भूमिका होती है । भाषा में रोजगार के अवसर पैदा कर उसे समाज की तरक्की से जोड़ा जाना चाहिए । रोजमर्रा के जीवन से जुड़ी हुई सूचनाओं का संप्रेषण मातृभाषा में ही होना चाहिए । यह विडंबना है कि जिस भाषा को मुट्ठी भर लोग बोलते व समझते हैं उस विदेशी भाषा को भारतीयों के ऊपर थोप दिया गया है । शिक्षा,स्वास्थ्य ,रोजगार के साथ साथ न्याय की भी भाषा स्थान विशेष की होनी चाहिए ।

प्राथमिक शिक्षा ही नहीं उच्च स्तर की पढ़ाई भी मातृभाषा में होने से शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर हो सकती है । मध्यप्रदेश की सरकार ने मेडिकल व इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी भाषा में शुरू करने की एक जरूरी पहल की है । इससे छात्र - छात्राओं की ज्ञान क्षमता में वृद्धि होगी । मातृभाषा में पठन - पाठन के लिए जरूरी पुस्तकों हो,इसका भी ख्याल रखना होगा । कहना न होगा की मातृभाषा ज्ञान सृजन का सबसे सरलतम मध्यम है । इसलिए मातृभाषा का स्थान कोई अन्य भाषा कभी नहीं ले सकती । मातृभाषा में अपनेपन व जीवन की वास्तविकता का बोध कवि केदारनाथ सिंह की इन पंक्तियों से समझा जा सकता है - 'जैसे चींटियाँ लौटती हैं/बिलों मे/कठफोड़वा लौटता है/काठ के पास/वायुयान लौटते हैं एक के बाद/ एक/लाल आसमान में डैने पसारे हुए/हवाई-अड्डे की ओर/ओ मेरी भाषा/मैं लौटता हूँ तुम में/जब चुप रहते-रहते/अकड़ जाती है मेरी जीभ/दुखने लगती है/मेरी आत्मा' । कहा जा सकता है की तमाम भाषाई ज्ञान अर्जित करने के बावजूद जो अपनत्व व सुकून मातृभाषा में मिलता है वह अन्यत्र भाषाओं में दुर्लभ ही है । इसलिए मातृभाषा के प्रति जागरूकता फैलाकर विलुप्त हो रही भाषाओं को बचाया जा सकता है। भाषा का संरक्षण व संवर्धन संस्कृति व विरासत को बचाए रखने का उपक्रम भी है ।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

आज का अहम् सवाल...?

हमारे देश को आजाद हुए पचहत्तर वर्ष हो चुके, इस दौरान हमारी संसद और विधानसभाओं के डेढ़ दर्जन से भी अधिक चुनाव हो चुके और विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारें अपने-अपने जलवे दिखाकर चली गई। किंतु अब जब हमारा प्रजातंत्र वयोवृद्ध हो चुका है, तब यह सवाल उठाया जा रहा है कि क्या हमारी चुनाव प्रक्रिया दोष रहित है? यही नहीं इतने वर्षों बाद हमारी सर्वोच्च न्यायालय ने सरकारी खर्च पर चुनावी वादे पूरे करने पर सवाल उठाया और उसके जवाब में हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने अपनी पार्टी (भाजपा) को निर्देश दिया कि चुनाव प्रचार के दौरान वादे उतने ही किये जाए जो सरकार की आर्थिक स्थिति के अनुरूप हो, अर्थात् सुप्रीम कोर्ट के सवाल पर प्रधानमंत्री जी की यही प्रतिक्रिया थी। फिर सुप्रीम कोर्ट की इस चिंता का जवाब यह भी है कि आज तक किसी भी सत्तारूढ़ दल ने अपने चुनावी वादे अपने दल के खर्च पर पूरे किये है?

अब यह सवाल पैदा होना स्वाभाविक है कि क्या हमारे संविधान निमार्ताओं से संविधान में चुनावी प्रावधानों पर विचार करते समय कोई चूक हो गई थी? क्या उन्होंने क्या संविधान निर्मात्री पीठ ने भी इस मसले पर विचार नहीं किया कि देश का प्रधानमंत्री व चुनावी राज्यों के मुख्यमंत्रीगण जो कि दल विशेष से सम्बंधित रहते है, वे चुनाव प्रचार के दौरान किसके खर्च पर चुनाव प्रचार अभियान चलाते है, आज देश के पांच राज्यों की विधानसभा चुनावों का दौर चल रहा है और माननीय प्रधानमंत्री जी पिछले डेढ़ महीनें से अनवरत चुनावी यात्राएँ कर रहे है, तो उनकी इन यात्राओं का पूरा खर्च भारतीय जनता पार्टी वहन कर रही है? और यदि इसका जवाब हाँ है तो वह यह सार्वजनिक करे कि उसने पिछले 45 दिनों में प्रधानमंत्री के चुनाव प्रचार पर कितनी धनराशि खर्च की? यही स्थिति सम्बंधित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की है, सिर्फ चुनावी प्रचार में

सरकारी वाहनों से परहेज कर लेने मात्र से कानून की पूर्ति थोड़े ही हो जाती है, उनकी यात्रा, सुरक्षा, कानून-व्यवस्था पर किया गया सरकारी खर्च भी सम्बंधित दलों के खातों में जाना चाहिये, क्या आज तक कभी ऐसा हुआ है?

आज देश का बुद्धिजीवी इन्ही सवालों में उलझा हुआ है, उसकी सोच यही है कि आज यह जो कुछ भी हो रहा है, यह हमारे संविधान निमार्ताओं की की दूरदृष्टि हीनता का परिणाम है फिर जब संविधान बना था तब तो इसके बनाने वाले फिर भी निष्पक्ष माने जो सकते थे, किंतु अब पचहत्तर साल बाद कुर्सी लोलुप राजनेताओं से चुनाव प्रक्रिया कानून में संशोधन की तो उम्मीद रखना ही व्यर्थ है।

वास्तव में इस संदर्भ में स्पष्ट कानून यह होना चाहिये था कि देश में लोकसभा चुनावों के समय तथा राज्यों में विधानसभा चुनावों के समय राष्ट्रपति शासन लागू होना चाहिये, इससे जहां सत्तारूढ़ प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री निष्पक्ष चुनावी कानून लागू की प्रक्रिया में आ जाते, वहीं देश तथा राज्यों में चुनावों के दौरान सत्तारूढ़ दल व उसके नेताओं का रूतबा काम नहीं कर पाता और चुनावों की निष्पक्षता का सेहरा संविधान के सिर पर होता, किंतु आज के चुनाव और उनकी कथित निष्पक्षता को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ने जो चिंता व्यक्त की है, वह जायज प्रतीत होती है। ....और फिर इन चिंताओं को लेकर आज का गंभीर सवाल यह भी है कि आज के राजनेता यह सब पसंद करेंगें? यद्यपि चुनाव के समय देश व राज्यों में राष्ट्रपति शासन के मुद्दें पर भी यह सवाल खड़ा किया जा सकता है कि क्या राष्ट्रपति व राज्यों के राज्यपालों का राजनीति से कभी कोई सम्बंध नहीं रहा, जिससे कि वे निरपेक्ष भाव से राजनीति से परे रहकर चुनाव प्रक्रिया संचालित करेगें? यह चिंता भी सही है, किंतु चूंकि राष्ट्रपति व राज्यपाल स्वयं चुनाव प्रचार नहीं करते और शपथ के इस सूत्र का कड़ाई से पालन करते है, इसलिए उन पर इस बारे में विश्वास किया जा सकता है, किंतु मैं सवाल उठाते स्वयं यह चिंतन भी कर रहा हूँ कि मेरे इस सवाल उठाये जाने का मतलब ही क्या है, जबकि आज की राजनीति का एकमात्र उद्देश्य ही सत्ता का सिंहासन हो गया है, किंतु देश व यहां के बुद्धिजीवी व अन्य चिंतक वर्ग इस सवाल पर गंभीर चिंतन करें इतनी अपेक्षा तो मैं इस वर्ग से कर ही सकता हूँ।

आज इस बात पर मंथन जरूरी नहीं कि संविधान निर्माण के समय इस गंभीर मसले पर विचार क्यों नहीं किया गया और पिछले पचहत्तर वर्षो। में इस त्रुटि को सुधारा क्यों नहीं गया? किंतु मंथन इस बात जरूरी है कि हमारी चुनावी प्रक्रिया के इस दोष को अब कैसे दूर किया जा सकता है? और क्या अगले सभी चुनाव भी इसी दोष के चलते सम्पन्न होगें? इस बारे में विश्व के अन्य प्रजातंत्री देशों के चुनाव कानूनों का भी अध्ययन किया जा सकता है और क्या अमेरिका जैसे देश में भी यही प्रक्रिया जारी है? इस पर भी विचार होना चाहिए।

पुष्कर में सैलानी उठाते हैं मरुस्थल का लुत्फ

प्रतिवर्ष यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को पुष्कर मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हजारों हिन्दु लोग इस मेले में आते हैं और अपने को पवित्र करने के लिए पुष्कर झील में स्नान करते हैं।

अजमेर जिला रेगिस्तानी जिलों में शामिल नहीं है परन्तु अजमेर का पुष्कर चारों और से रेगिस्तान की रेत से घिरा है। यहां जेसलमेर में सम जैसे आकर्षक रेतीले घोरें नहीं हैं परंतु सैलानियों को राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति से बखूबी परिचित कराते हैं।

आकर्षण

पुस्कर में पर्यटकों के लिए कार्तिक पूर्णिमा पर ऊँट उत्सव, अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून फेस्टिवल, सावित्री मन्दिर पर केबल राइड, वराह घाट पर पुष्कर आरती, रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, क्वैड बाइकिंग, साइकिलिंग, सनसेट के साथ केमल सफारी, पूरी रात केमल सफारी, केमल सफारी के साथ लक्जरी नाईट कैंपिंग, केमल कार्ट सफारी, जीप सफारी, हॉर्स राइडिंग, जिप्लिनिंग मनोरंजन के प्रमुख आकर्षण हैं। पर्यटक रेगिस्तान के अनदेखे क्षेत्र के इन आकर्षणों का यहाँ लुत्फ उठा सकते हैं। जयपुर के पास रेगिस्तान देखने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए जयपुर से मात्र 150 किमी. एवं अजमेर से 11 किमी.दूरी पर पुष्कर सर्वश्रेस्ठ विकल्प है। पूरे वर्ष ही भारत एवं अन्य देशों के पर्यटक पुष्कर का डेजर्ट क्षेत्र देखने आते हैं और ग्रामीण केमल सफारी, नाईट कैंपिंग,लजीज व्यंजन औ? लोक नृत्यों का लुत्फ उठाते हैं।

प्रतिवर्ष यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को पुष्कर मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हजारों हिन्दु लोग इस मेले में आते हैं और अपने को पवित्र करने के लिए पुष्कर झील में स्नान करते हैं। भारत में किसी पौराणिक स्थल पर आम तौर पर जिस संख्या में पर्यटक आते हैं, पुष्कर में आने वाले पर्यटकों की संख्या उससे कहीं ज्यादा है। इनमें बडी संख्या विदेशी सैलानियों की है, जिन्हें पुष्कर खास तौर पर पसंद है। हर साल कार्तिक महीने में लगने वाले पुष्कर ऊंट मेले ने तो इस जगह को दुनिया भर में अलग ही पहचान दे दी है। मेले के समय पुष्कर में कई संस्कृतियों का मिलन देखने को मिलता है। एक तरफ तो मेला देखने के लिए विदेशी सैलानी बडी संख्या में पहुंचते हैं, तो दूसरी तरफ राजस्थान व आसपास के तमाम इलाकों से आदिवासी और ग्रामीण लोग अपने-अपने पशुओं के साथ मेले में शामिल होने आते हैं। मेला रेत के विशाल मैदान में लगाया जाता है। ढेर सारी कतार की कतार दुकानें, खाने-पीने के स्टाल, सर्कस, झूले और न जाने क्या-क्या। ऊंट मेला और रेगिस्तान की नजदीकी है इसलिए ऊंट तो हर तरफ देखने को मिलते ही हैं। वर्तमान में इसका स्वरूप विशाल पशु मेले का हो गया है।

मनोरंजन

दिलचस्प ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता , सजे-धजे ऊंट का नृत्य, मटकीफोड़, लम्बी मूंछें और दुल्हन की प्रतियोगिताएं पर्यटकों का खूब मनोरंजन करती हैं। रात्रि में लोक कलाकारों के सुर-ताल की जुगलबंदी और रंगबिरंगे नृत्यों से पर्यटक आनन्दित होते हैं। अनेक प्रदर्शनियां भी सजाई जाती हैं। परेड और दौड़ को हजारों देशी और विदेशी पर्यटक रुचिपूर्वक देखते हैं। स्मृतियों को संजोने के लिए पर्यटक हर तरफ फोटो खीचते नजर आते हैं। पर्यटकों के लिए पुष्कर में सरोवर एवं कई मन्दिर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून भी प्रबल आकर्षण बन गया है।

ब्रह्मा मन्दिर

पुष्कर सुरण्य नागा पहाड़ की गोद में रेतीले धरातल पर बसा है। पुष्कर का महात्म्य वेद, पुराण, महाकाव्य, साहित्य, शिलालेख एवं लोक कथाओं में वर्णित है। पुष्कर को मंदिरों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ लगभग 500 मंदिर बताए जाते हैं। ब्रह्माजी का मंदिर देश भर में अकेला प्रसिद्ध मन्दिर है। धरातल से करीब 50 फीट की ऊंचाई पर स्थित मन्दिर के प्रवेश द्वार के भीतरी भाग पर ब्रह्मा का वाहन राजहंस है। प्रमुख मंदिर के गर्भगृह में ब्रह्मा जी की बैठी हुई मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। चतुमुर्खी इस प्रतिमा के तीन मुख सामने से दिखाई देते हैं। प्रतिमा को करीब 800 वर्ष पुराना बताया जाता है। सैंकड़ों वर्षों से प्रतिमा का प्रतिदिन जलस्नान व पंचामृत अभिषेक किया जाता है। मंदिर के आंगन में ब्रिटिशकालीन एक-एक रुपए के सिक्के जड़े हैं। संगमरमर के कलात्मक स्तंभ मोह लेते हैं। मंदिर परिक्रमा मार्ग में सावित्री माता का मंदिर स्थापित किया गया है। परिसर में अन्य मन्दिर भी दर्शनीय हैं।

पुष्कर सरोवर

अर्धचन्द्राकार पवित्र पुष्कर सरोवर प्रमुख धार्मिक पर्यटक स्थल है। यहां 52 घाट बने हैं, जिन पर 700 से 800 वर्ष प्राचीन विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिर बनाए गए हैं। देश के चार प्रमुख सरोवरों में माना जाने वाला पुष्कर सरोवर की धार्मिक आस्था का पता इसी बात से चलता है कि यहां स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रातःकाल की वेला में जब सूर्योदय होता है तथा गोधूलि की वेला में जब सूर्यास्त होता है पुष्कर का दृष्य अत्यंत ही मनोरम होता है। इस दृष्य को देखने के लिए घाटों पर सैलानियों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखा जा सकता है।

वराह मन्दिर

प्राचीनता की दृष्टि से करीब 900 वर्ष पुराना वराह मंदिर का निर्माण अजमेर के चैहान शासक अणीर्राज ने कराया था। पुष्कर सरोवर के वराह घाट के पास स्थित वराह चौंक से एक रास्ता बस्ती के भीतर इमली मोहल्ले तक जाता है, जहां यह विशाल मंदिर स्थापित है। करीब 30 फुट ऊंचा मंदिर, चौड़ी सीढ़ियां तथा किले जैसा प्रवेश द्वार आकर्षण का केन्द्र है। बताया जाता है कि कभी मंदिर का शिखर 125 फीट ऊंचा था, जिस पर सोन चराग (स्वर्ण दीप) जलता था, जो दिल्ली तक दिखाई देता था। मुख्य मंदिर में विष्णु के अवतार वराह भगवान की मूर्ति स्थापित है। मूर्ति के नीचे सप्त धातु से निर्मित करीब सवा मन वजन की लक्ष्मी-नारायण की प्रतिमा है। यहीं पर बून्दी के राजा द्वारा भेंट किया गया लोहे का सवा मनी भाला रखा गया है। जलझूलनी ग्यारस पर लक्ष्मी-नारायण की सवारी धूमधाम से निकाली जाती है। चैत्र माह में वराह नवमी के दिन भगवान का जन्मदिन मनाया जाता है। जन्माष्टमी व अन्नकूट के अवसर पर उत्सव आयोजित किए जाते हैं। मंदिर में विशेष कर चावल का प्रसाद चढ़ता है। वराह घाट पर संध्या आरती का दृश्य देखे ही बनता है।

श्री रमा वैकुण्ठ मंदिर

ब्रह्मा जी के मंदिर के बाद इस मंदिर का विशेष महत्व है, जिसे रंगा जी का मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर करीब 20 बीघा भूमि पर बना है। मंदिर का प्रवेश द्वार आकर्षक एवं विशाल है। भीतर जाने पर सामने ही रमा वैकुण्ठ का मंदिर नजर आता है। मंदिर के ऊतंग गोपुरम पर 350 से अधिक देवताओं के चिन्ह बने हैं। यह गोपुरम दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला शैली का अनुपम उदाहरण है। मंदिर के सामने प्रांगण में ही एक बड़ा स्वर्णिम गरूड़ ध्वज नजर आता है। मंदिर के पास अभिमुख गरूड़ मंदिर स्थापित है। मुख्य मंदिर के चारों तरफ पक्के दालान के बीच में तीन-चार फीट ऊंचे चैकोर बड़े संगमरमरी चबूतरे पर मंदिर स्थित है। मुख्य प्रतिमा व्यंकटेश भगवान विष्णु की काले पत्थरों की आभूषणों एवं वस्त्रों से सुसज्जित है। इसी को वैकुण्ठ नाथ की प्रतिमा कहा जाता है। मंदिर में ही श्रीदेवी, तिरूपति नाथ, भूदेवी, लक्ष्मी व नरसिंह की मूर्तियां भी हैं। परिक्रमा मार्ग में दोनों तरफ दीवारों पर आकर्षक रंगीन चित्र एवं संगमरमर के कलात्मक स्तंभ बने हैं। सम्पूर्ण परिक्रमा मार्ग अत्यंत लुभावना लगता है।

रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर

दक्षिण भारत स्थापत्य शैली पर आधारित भगवान रंगनाथ वेणुगोपाल का विशाल मंदिर वराह चौंक के पास स्थित है। मंदिर का निर्माण दक्षिण भारत के एक सेठ पूरनमल गनेरीवाल द्वारा 1844 ईस्वी में करवाया गया था। मंदिर का गोपुरम और कलश दूर से ही नजर आता है। विशाल द्वार से अंदर प्रवेश करने पर पक्का दालान और कमरे बने हैं। यहीं पर उतंग स्वर्णिम गरूड़ ध्वज है, जिसके पास गरूड़ का छोटा सा मंदिर है, जो भगवान वेणुगोपाल की तरफ मुख किए हुए है। दांयी ओर मुख्य मंदिर की सीढ़ियां जाती हैं।

दुनियाभर में पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र है जयपुर

पिंक सिटी के नाम से जाना जाने वाला जयपुर शहर सिर्फ देशभर में ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र है। जयपुर वास्तुशिल्प रत्नों से समृद्ध, संस्कृति और विरासत का एक अद्भुत वंडरलैंड है। यहां पर घूमने के लिए एक या दो नहीं, बल्कि कई बेहतरीन जगहें मौजूद हैं। जिनके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

जयगढ़ का किला

अगर जयपुर में घूमने के स्थानों की बात हो और उसमें जयगढ़ के किले का नाम ना लिया जाए, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। समुद्र तल से 500 फीट की ऊंचाई पर खड़ा यह 18 वीं सदी का किला एक ताज की तरह अरावली पर्वतमाला में ईगल की पहाड़ी को सुशोभित करता है। यह इस देश के शासकों के लिए तोपखाने के उत्पादन का एक प्रमुख केंद्र था। जयगढ़ किले का एक मुख्य आकर्षण जयवाना तोप है, जो कभी पहियों पर दुनिया की सबसे बड़ी तोप थी।

सिटी पैलेस

शहर के केंद्र में स्थित, सिटी पैलेस जयपुर के सबसे उल्लेखनीय पर्यटक आकर्षणों में से एक है। इस महल की वास्तुकला राजपूत और मुगल शैलियों का एक शानदार मिश्रण है। विशाल उद्यान, आंगन, हॉल, शाही निवास और कला दीघाओं से सुसज्जित, इस महल का हर हिस्सा राजपुताना महिमा को दशार्ता है। महल में एक संग्रहालय भी है जहां आप महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय और महाराजा सवाई माधोसिंह प्रथम द्वारा इस्तेमाल किए गए शाही परिधानों को भी देख सकते हैं।

हवा महल

हवा महल लाल और गुलाबी बलुआ पत्थर से निर्मित पांच मंजिला पिरामिडनुमा इमारत है और यह जयपुर में सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। 1799 में महाराजा सवाई प्रताप सिंह द्वारा निर्मित, इसमें 953 छोटी खिड़कियां हैं। इस इमारत के आंतरिक कक्ष खिड़कियों की अविश्वसनीय जाली के माध्यम से यहां पर हवा का एक अलग ही आनंद ले सकते हैं। यदि आप हवा महल की चोटी पर चढ़ते हैं, तो आप सिटी पैलेस और वहाँ से जंतर मंतर के अद्भुत नजारे देख सकते हैं।

जंतर मंतर

जंतर मंतर एक खगोलीय वेधशाला है जो 1734 की है और इसे महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय के आदेशों के तहत बनाया गया था। यह दुनिया की सबसे बड़ी सूर्यघड़ी है, जो पत्थरों से बनी है। इस स्थान को यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है और जयपुर में घूमते समय आपको जंतर मंतर की यात्रा जरूर करनी चाहिए।

मिताली जैनवैसे तो पुरुषों के लिए भी मार्केट में कई प्रॉडक्ट्स अवेलेबल हैं, लेकिन अगर नेचुरल हर्ब्स का इस्तेमाल किया जाए तो इससे किसी तरह के रिएक्शन होने का खतरा भी नहीं रहता।

अमूमन देखने में आता है कि महिलाएं तो अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए तरह-तरह के प्रॉडक्ट्स व स्किन केयर रूटीन को फॉलो करती हैं, लेकिन पुरुषों को यह समझ नहीं आता कि वह किस तरह अपनी स्किन की केयर करें। वैसे तो पुरुषों के लिए भी मार्केट में कई प्रॉडक्ट्स अवेलेबल हैं, लेकिन अगर नेचुरल हर्ब्स का इस्तेमाल किया जाए तो इससे किसी तरह के रिएक्शन होने का खतरा भी नहीं रहता। साथ ही स्किन को अतिरिक्त पोषण भी मिलता है। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे ही हर्ब्स के बारे में बता रहे हैं, जो पुरुषों की स्किन पर निखार लाने में मदद करते हैं-

कैमोमाइल

स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि कैमोमाइल में अल्फा-बिसाबोलोल कंपाउंड काफी हाई पाया जाता है, जिसके कारण यह सूजन को कम करने में मदद करता है, जो मुँहासे, चकत्ते और एक्जिमा को शांत करता है। इसके अलावा, यह सनबर्न या मुँहासे के कारण होने वाले डिस्कलरेशन को कम करने के लिए भी जाना जाता है। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले कैमोमाइल चाय बनाएं और उसे ठंडा हो जाने दें। इससे अपने पूरे शरीर व चेहरे को धोएं।

चेरापूंजी, जहां पुल उगते हैं और प्रकृति का बारिश नृत्य होता है

चेरापूंजी दुनिया भर में न केवल भारी वर्षा के लिए बल्कि बहुत लोकप्रिय

इन रूट पुलों के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि इनको उगाया जा सकता है, जब भी और जहां भी आवश्यकता होती है। ऐसा करने के लिए खासी सुपारी का उपयोग करते हैं। पेड़ की पतली जड़ें बिना भटके बढ़ती रहती हैं। दूसरी तरफ पहुंचने पर उन्हें मिट्टी में जड़ लेने और मजबूत होने का समय दिया जाता है।

जीवित मूल (छ्र्ल्लॅ फ्ङ्गङ्गर) पुलों के लिए भी जाना जाता है। इस शहर के आसपास की दक्षिणी खासी और जयंतिया पहाड़ियाँ नम और गर्म हैं और इन पहाड़ियों पर भारतीय रबर के पेड़ की एक प्रजाति पाई जाती है।

चेरापूंजी, जिसे सोहरा के रूप में भी जाना जाता है, पूर्वोत्तर भारतीय राज्य मेघालय में स्थित एक उच्च ऊंचाई वाला शहर है। यह अपने जीवित मूल (जड़) पुलों के लिए जाना जाता है, जो रबर के पेड़ों से बना है।

मेघालय राज्य में पूर्वी खासी हिल्स जिले में स्थित चेरापूंजी (जिसे आधिकारिक तौर पर सोहरा कहा जाता है) को अक्सर पृथ्वी पर सबसे अधिक नम जगह के रूप में जाना जाता है। यह मानसून के जुलाई और अगस्त के महीनों में सबसे अधिक वर्षा का विश्व रिकॉर्ड रखता है। चेरापूंजी आसपास की घाटियों से 600 मीटर ऊपर एक पठार पर स्थित है। यह उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम दोनों मानसूनी हवाओं से प्रभावित होता है जो इसे एक मानसून का मौसम देते हैं। यहाँ ज्यादातर रात में बारिश होती है। यह खासी पर्वत के नीचे की ओर स्थित है।

चेरापूंजी दुनिया भर में न केवल भारी वर्षा के लिए बल्कि बहुत लोकप्रिय जीवित मूल पुलों के लिए भी जाना जाता है। इस शहर के आसपास की दक्षिणी खासी और जयंतिया पहाड़ियाँ नम और गर्म हैं और इन पहाड़ियों पर भारतीय रबर के पेड़ की एक प्रजाति पाई जाती है। इस पेड़ में एक अविश्वसनीय रूप से मजबूत जड़ प्रणाली है, जो कई सदियों से जीवंत है। ये सहायक जड़ें बड़े शिलाखंड या नदियों के बीच में भी आसानी से पनप सकती हैं। मेघालय में एक जनजाति, जिसे युद्ध-खासी कहा जाता है, ने बहुत पहले इस पर ध्यान दिया और महसूस किया कि ये मजबूत जड़ें कई स्थानों पर नदियों को आसानी से पार करने का अवसर और साधन प्रदान कर सकती हैं।

इन रूट पुलों के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि इनको उगाया जा सकता है, जब भी और जहां भी आवश्यकता होती है। ऐसा करने के लिए खासी सुपारी का उपयोग करते हैं। पेड़ की पतली जड़ें बिना भटके बढ़ती रहती हैं। दूसरी तरफ पहुंचने पर उन्हें मिट्टी में जड़ लेने और मजबूत होने का समय दिया जाता है। औसतन एक मजबूत रूट ब्रिज को पूरी तरह से कार्यशील होने में 10-15 साल लगते हैं। इनमें से कुछ पुल 100 फीट से अधिक लंबे हैं और एक समय में पचास या अधिक लोगों के वजन का आसानी से सहन कर सकते हैं। वे जितने पुराने होते हैं, उतने ही मजबूत होते हैं। इनमें से कुछ पुल 500 साल से भी अधिक पुराने हैं।

चेरापूंजी में सबसे अधिक वर्षा क्यों होती है?

चेरापूंजी में भारी वर्षा का कारण समझना काफी जटिल है, लेकिन अनिवार्य रूप से यह मानसून के बादल हैं जो बंगाल की खाड़ी के ऊपर बनते हैं।

ओडिशा में मौजूद हैं भारत की यह खूबसूरत झीलें

महानदी नदी के किनारे पर स्थित है और सारनदा हिल्स और बिष्णुपुर हिल्स से घिरा हुआ है, अंसुपा झील में अपार प्राकृतिक सुंदरता और विदेशी वनस्पति और जीव हैं। यह तैरते, जलमग्न और उभरते हुए जलीय पौधों और कई जलीय जीवों का घर है।

ओडिशा टूरिस्ट के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। भव्य मंदिरों, संग्रहालयों और मठ, समुद्र तट, जंगल और हरी-भरी पहाड़ियों के अलावा यहां पर कुछ बेहतरीन झीलें है। ओडिशा की झीलें प्राकृतिक और मानव निंमित दोनों हैं और स्थानीय और पर्यटकों दोनों के लिए दर्शनीय स्थल हैं। तो चलिए आज हम आपको ओडिशा की कुछ खूबसूरत झीलों के बारे में बता रहे हैं-

चिल्का झील

चिल्का झील सबसे बड़ी और ओडिशा की सबसे लोकप्रिय झीलों में से एक है। भारत में सबसे बड़ी खारे पानी की झील है और दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी है। हर तरफ हरे भरे जंगलों से घिरा, चिल्का झील पर्यटकों को बर्ड वॉचिंग, पिकनिक, बोटिंग और मछली पकड़ने के लिए बेहतरीन है। चिल्का झील झील की यात्रा के लिए नवंबर से मार्च सही समय है क्योंकि साइबेरिया से बहुत से प्रवासी पक्षी यहां आते हैं।

अंसुपा झील

महानदी नदी के किनारे पर स्थित है और सारनदा हिल्स और बिष्णुपुर हिल्स से घिरा हुआ है, अंसुपा झील में अपार प्राकृतिक सुंदरता और विदेशी वनस्पति और जीव हैं। यह तैरते, जलमग्न और उभरते हुए जलीय पौधों और कई जलीय जीवों का घर है। यह झील न केवल वनस्पति विज्ञानियों और प्राणीविदों को आकर्षित करती है, बल्कि इसकी समृद्ध जैव विविधता भी बेहद लोकप्रिय है। आप यहां पर एक बस झील के किनारे बैठकर, शांत वातावरण का आनंद ले सकता है।

पाटा झील

छतरपुर शहर के पास स्थित, पाटा झील ओडिशा में मीठे पानी की झीलों में से एक है, जो साल भर पर्यटकों द्वारा घूमती है। खूबसूरत परिवेश से लेकर अपनी स्फूर्तिदायक ताजगी के लिए, पाटा झील काफी सुंदर जगह है और स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है।

कंजिया झील

यदि आप भुवनेश्वर में हैं, तो कांजिया झील को अपनी सूची में जरूर रखें। शहर के बाहरी इलाके में स्थित, यह झील 66 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई है और इसे प्रमुख जल स्रोत माना जाता है। वनस्पतियों और जीवों की समृद्ध जैव विविधता इसे ओडिशा की एक महत्वपूर्ण झील बनाती है। नंदन कानन जूलॉजिकल पार्क से जाने या वापस आते समय लोग आम तौर पर इस झील का दौरा करते हैं।

अपर जोंक

यह जोंक नदी के पास पटोरा गांव में स्थित है। यह झील ओडिशा की लोकप्रिय झीलों में से एक है। चारों ओर से पहाड़ियों और जंगलों से घिरी इस झील की प्राकृतिक सुंदरता उत्कृष्ट है और यहाँ आने वाली ठंडी हवा हर आगंतुक के मन और आत्मा को तरोताजा कर देती है।

चिल्का झील सबसे बड़ी और ओडिशा की सबसे लोकप्रिय झीलों में से एक है। भारत में सबसे बड़ी खारे पानी की झील है और दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी है। हर तरफ हरे भरे जंगलों से घिरा, चिल्का झील पर्यटकों को बर्ड वॉचिंग, पिकनिक, बोटिंग और मछली पकड़ने के लिए बेहतरीन है। चिल्का झील झील की यात्रा के लिए नवंबर से मार्च सही समय है क्योंकि साइबेरिया से बहुत से प्रवासी पक्षी यहां आते हैं।

ऐसी डाइटिंग किसी काम की नहीं

कानपुर (एसएनबी)। इकहरे, स्लिम शरीर और सुंदर, आकर्षक त्वचा के लिए डाइटिंग और यह खाना है, यह नहीं खाना जैसी सोच आज हर युवा के मन-मस्तिष्क में रच बस गयी है। डॉ. रजनी पोरवाल देश की जानी-मानी चिकित्सक हैं और श्रीनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय भगवतदास घाट सिविल लाइंस कानपुर की मुख्य चिकित्सक हैं। उन्होंने इस विषय पर बहुत ही ज्ञानवर्धक जानकारी दी है।

शक न पालें

कुछ चिकित्सकों का सामान्य वजन वाले रोगियों के लिए भी निर्देश रहता है कि वजन कम करें। वहीं, कुछ उच्च शिक्षित और संभ्रांत वर्ग के परिवार के लड़के-लड़कियों का थोड़ा सा भी पेट निकला या अंतरराष्ट्रीय मापदंडों के आदर्शों से थोड़ा बहुत भी शरीर का वजन बढ़ता है तो उनके माथे पर चिंता की लकीरें दिखाई देने लगती हैं। थोड़ा बहुत वजन में परिवर्तन मौसम, आहार और दिनचर्या पर निर्भर करता है, इसलिए इसे चिंता का विषय नहीं बनाएं।

डॉ. रजनी पोरवाल
श्रीनाथ चिकित्सालय की कंसलटेंट नेचुरोपैथ

अनावश्यक डाइटिंग खतरनाक है

युवावस्था में शरीर को अपनी जैव रासायनिक क्रियाओं को चलाने के लिए बड़ी मात्रा में मिनरल्स, विटामिंस और पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। ऐसे समय अगर वजन को कम करने के लिए क्रैश डाइटिंग या जबरदस्त उपवास किया जाता है तो इसका शरीर के आंतरिक अंगों पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है और शरीर की जैव रासायनिक क्रियाओं को सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक खनिज लवण और पोषक तत्वों की कमी हो जाती है, जिससे शरीर की रक्षा प्रणाली कमजोर पड़ जाती है और इम्यूनिटी कम होने से विभिन्न प्रकार के रोग और समस्याएं घेर लेती हैं। वहीं, चेहरे का लावण्य और आकर्षण कम हो जाता है, जो युवाओं के लिए अच्छा नहीं है। ढलती उम्र जैसी त्वचा ढीली हो जाती है, मांसपेशियां लटक जाती हैं, इसलिए चिकित्सक के परामर्श के बगैर स्वयं डाइटिंग, उपवास इत्यादि ना करें। किसी उच्च शिक्षित योगाचार्य या नेचुरोपैथ के मार्गदर्शन में उपवास करने से हित होगा।

अत्यधिक परहेज भी घातक है

युवाओं में दूध की मलाई को छानकर पीना, ताजे फल, सूखे मेवे, हरी सब्जियों से अरुचि तो अच्छी सेहत के लिए बहुत खराब है ही लेकिन आज के युग में एक नई सोच पैदा हो गयी है कि हम न तो मीठा खाएंगे, न ही नमकीन लेंगे, चाय भी बिना गुड़ या चीनी की, बिना दूध के पीना युवा वर्ग का शौक बन गया है। यह अच्छे स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं है। अगर हमें कोई बीमारी नहीं है तो हमें अत्यधिक केवल सावधानी, बस अत्यधिक परहेज नहीं करना चाहिए। साथ ही उच्च सोसाइटी के नाम पर जंक फूड, फास्ट फूड, कोल्ड ड्रिंक, सॉफ्ट ड्रिंक, विभिन्न प्रकार के नशा इत्यादि से बचना बुद्धिमानी है।

यह भी ध्यान रखना है

दिन में भरपूर मात्रा में पानी पीना चाहिए। बोतलबंद पानी के स्थान पर स्वच्छ और ताजा जल अच्छी सेहत के लिए किसी महाऔषधि से कम नहीं है। हमें अनावश्यक रूप से शौकिया औषधि का सेवन नहीं करना चाहिए और चिकित्सक से परामर्श के बाद ही किसी भी औषधि का सेवन हितकारी होता है लेकिन अनेक लोग विटामिन की गोलियां, कैल्शियम की गोलियां, स्वास्थ्यवर्धक विभिन्न प्रकार के पाउडर का, दर्द की दवाइयां, नींद की दवाइयां समेत अनेक दवाइयों का सेवन अपनी मनमर्जी से करते हैं, जो उचित नहीं है। हमें पौष्टिकता को ध्यान में रखते हुए हरी सब्जियों, सूप, ताजे फलों, ड्राइ फ्रूट्स, अंकुरित अनाज, दूध, दही, मट्ठा जैसे प्राकृतिक तत्वों, प्राकृतिक आहार पर ध्यान देकर अपने शरीर की पौष्टिक तत्वों की पूर्ति करने का उपाय करना चाहिए।

यह भी खतरनाक है

जब हमें खुलकर भूख लगी हो, तब हम अनावश्यक रूप से डाइटिंग का बहाना लेकर भूखे रहें, यह अच्छे स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं है। यदि हम वजन कम करने के लिए परहेज कर रहे हैं, उपवास कर रहे हैं, तब भी तेज भूख लगने पर हमें कम कैलोरी का आहार जैसे खीरा, ककड़ी, पपीता, खरबूजा, तरबूज, मूली, गाजर, टमाटर, सलाद जैसे कच्चे आहार को भरपूर मात्रा में सेवन करना चाहिए क्योंकि भूख लगने पर न खाना प्राकृतिक चिकित्सा की दृष्टि से सेहत के लिए खराब है। वहीं, जब भूख न लगी हो तो अनावश्यक रूप से ठूंस-ठूंस कर खाना भी गलत है।

बचें यह जहर है

अपने आहार में मैदा, चीनी और नमक का यथासंभव कम उपयोग करना चाहिए। रिफाइंड ऑयल सेहत के लिए अच्छा नहीं होता है। केमिकल्स, कलर्स और परफ्यूम डालकर बनाई गई जंक फूड, फास्ट फूड सेहत के लिए विशेषकर पाचन तंत्र, लिवर, पेनक्रियाज, गॉलब्लेडर, आंतों के लिए अच्छे नहीं होते। डिब्बाबंद आहार जिसमें भारी मात्रा में पेस्टिसाइड्स पड़े होते हैं, इन से भी बचें।

तुलसी दास जूनियर का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता संजय दत और दिवंगत अभिनेता राजीव कपूर स्टारर फिल्म तुलसी दास जूनियर का ट्रेलर रिलीज हो गया है। तुलसी दास जूनियर में संजय दत्त, राजीव कपूर और बाल कलाकार वरुण बुद्धदेव ने मुख्य भूमिका निभाई हैं। तुलसी दास जूनियर की कहानी एक 13 साल के लड़के के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो स्नूकर के खेल में अपने पिता की हार का बदला लेता है। इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म को भूषण कुमार और आशुतोष गोवारिकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म के ट्रेलर को टी-सीरीज ने अपने यूट्यूब चैनल से रिलीज किया है। आशुतोष गोवारिकर प्रोडक्शन की फिल्म तुलसीदास जूनियर को गुलशन कुमार और टी सीरीज पेश कर रहा है। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, आशुतोष गोवारिकर और सुनीता गोवारिकर द्वारा निर्मित, इस फिल्म को मृदुल ने लिखा और निर्देशित किया है। तुलसी दास जूनियर राजीव कपूर की आखिरी फिल्म है। यह फिल्म 04 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कंगना ने आलिया पर निकाली भड़ास

मुंबई (आईएएनएस)। कंगना रनौत ने अभिनेत्री आलिया भट्ट को बिम्बो और फिल्म निर्माता करण जौहर की पापा की परी कहकर उन पर कटाक्ष किया है। बॉलीवुड अभिनेत्री ने यह भी कहा कि संजय लीला भंसाली की आगामी निर्देशित फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी की गलत कास्टिंग हुई है। कंगना ने रविवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, इस शुक्रवार को 200 करोड़ रुपये बॉक्स ऑफिस पर राख बन जाएंगे। पापा की परी पापा ये प्रूव करना चाहते हैं कि रॉम कॉम बिंबो एक्टिंग कर सकती है। इस फिल्म का सबसे बड़ा ड्रॉबैक है फिल्म की कास्टिंग। ये नहीं सुधरेंगे, इसलिए इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि स्क्रीन अब हॉलीवुड और साउथ की तरफ जा रहा है। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में आगे लिखा कि बॉलीवुड माफिया डैडी ने हिंदी सिनेमा में वर्क कल्चर को बर्बाद कर दिया है। बॉलीवुड माफिया डैडी पापा, जिन्होंने अकेले ही फिल्म इंडस्ट्री का कल्चर बदला और उन्होंने औसत दर्जे के अपने काम को बेहतरीन सिनेमाई प्रतिभा के ऊपर रखा। इस फिल्म के आने से एक और ऐसा ही उदाहरण देखने को मिलेगा। इस शुक्रवार एक बड़ा हीरो और महान डायरेक्टर उसकी चालाकी के शिकार होंगे। इसलिए लोगों को इन्हें देखना बंद कर देना चाहिए।

'शाकुंतलम' का फर्स्ट लुक जारी

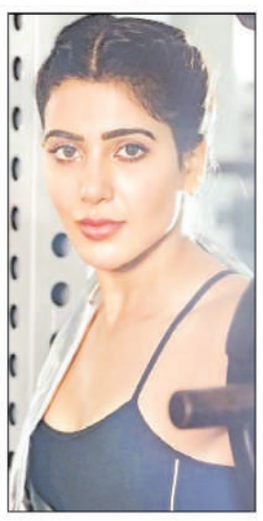

हैदराबाद (आईएएनएस)। सामंथा रूथ प्रभु की महाकाव्य प्रेम गाथा 'शाकुंतलम' का फर्स्ट लुक पोस्टर सोमवार को जारी होगा। आगामी पौराणिक फिल्म के निर्माता प्रमुख महिला सामंथा का पहला लुक जारी करने वाले हैं। निर्माताओं ने लिखा, शाकुंतलम का बहुप्रतीक्षित फर्स्ट लुक सुबह आएगा सामने। अब एक दिन बाकी है। सामंथा रूथ प्रभु के हैंडल से जुड़े रहें। सामंथा ने पहले कहा था कि वह हमेशा से पौराणिक कथाओं, पीरियड ड्रामा और राजाओं और रानियों की दुनिया से प्रभावित रही हैं। वह गुना शेखर के निर्देशन में रानी शकुंतला देवी की भूमिका निभा रही हैं। 'शाकुंतलम' शकुंतला और दुष्यंत की महाकाव्य प्रेम कहानी पर आधारित है, जो महाभारत के आदि पर्व का रूपांतरण है। देव मोहन 'शाकुंतलम' में राजा दुष्यंत की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि अल्लू अर्जुन की बेटी अल्लू अरहा राजकुमार भरत के रूप में दिखाई देंगी। अभिनेता कबीर दूहन सिंह आगामी महाकाव्य नाटक में राजा असुर के रूप में दिखाई देंगे।

रश्मिका मंदाना की 'आदावल्लू मीकू जोहारलू' 4 मार्च को होगी रिलीज

चेन्नई (आईएएनएस)। निर्देशक तिरुमाला किशोर की तेलुगू पारिवारिक फिल्म आदावल्लू मीकू जोहारलू 4 मार्च को रिलीज होगी। फिल्म में अभिनेता शरवानंद और रश्मिका मंदाना ने मुख्य भूमिका निभाई हैं। फिल्म को सेंसर बोर्ड ने रिलीज के लिए मंजूरी दे दी है, उन्होंने इसे क्लीन 'यू' सर्टिफिकेट दिया है। रश्मिका मंदाना ने तिरुमाला किशोर द्वारा निर्देशित और एसएलवी सिनेमा के लिए सुधाकर चेरुकुरी द्वारा निर्मित फिल्म में शरवानंद की प्रेम रुचि की भूमिका निभाई है। रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद ने साउंडट्रैक दिया है और अब तक रिलीज हुए तीनों गाने हिट हुए हैं। फिल्म में वेनेला किशोर, खुशबू, राधिका सरथकुमार और उर्वशी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। सुजीत सारंग फिल्म के लिए फोटोग्राफी के निर्देशक हैं, जिसका संपादन जाने-माने संपादक श्रीकर प्रसाद ने किया है।

'इडियट' मूर्ख दिवस पर होगी रिलीज

चेन्नई (आईएएनएस)। निर्देशक रामभला की बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी 'इडियट' (जिसमें अभिनेता मिर्ची शिवा और निक्की गलरानी मुख्य भूमिका में हैं) आखिरकार 1 अप्रैल को रिलीज होगी, इसके निर्माताओं ने रविवार को इसकी घोषणा की। घोस्ट स्पूफ फिल्म 'इडियट' काफी पहले रिलीज के लिए तैयार थी। हालांकि, महामारी की बाद की लहरों और सरकार द्वारा लगाए गए लॉकडाउन के कारण इसकी रिलीज को बार-बार स्थगित करना पड़ा है। अब, टीम ने फिल्म को एक अप्रैल को रिलीज करने का फैसला किया है। फिल्म का निर्माण करने वाली कंपनी स्क्रीन सीन मीडिया एंटरटेनमेंट ने रविवार को ट्विटर पर अपनी टाइमलाइन पर इसकी घोषणा की। इसने कहा, इडियट मूर्ख दिवस पर आ रही है! 1 अप्रैल से सिनेमाघरों में आप सभी का मनोरंजन करने के लिए रिलीज होगी। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही फिल्म ने काफी उम्मीदें जगाई हैं। इसके अलावा, निर्देशक रामभला को प्रफुल्लित करने वाली कॉमेडी देने के लिए जाना जाता है।

शादी के बंधन में बंधे अफसाना और साज

मुंबई (आईएएनएस)। सिंगर और बिग बॉस 15 की प्रतिभागी रह चुकी अफसाना खान ने सिंगर साज के साथ चंडीगढ़ में शनिवार को शादी रचाई है। अफसाना और गायक साज की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। उन्होंने ऑरेंज कलर का लहंगा पहना है। वहीं उनके पति साज भी गोल्डन शेरवानी और ऑरेंज स्टोल और ऑरेंज पगड़ी पहने हुए हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, हमारी खुशियों की अब शुरुआत होती है। अफसाना खान ने अपनी मेहंदी समारोह की भी कई सारी तस्वीरें साझा कीं। उनकी शादी में कई और बिग बॉस के प्रतिभागी भी शामिल हुए। उनकी शादी में राखी सावंत, हिमांशी खुराना और शेफाली बग्गा, रश्मि देसाई, उमर रियाज, युविका चौधरी समेत कई बिग बॉस के कई प्रतिभागी शामिल हुए। हाल ही में अफसाना और साज ने एक नया गाना बेहरी दुनिया रिलीज किया है। इस ट्रैक में निक्की तंबोली हैं। अफसाना ने कमाल करते हो और 'जोड़ा' जैसे गाने गाए हैं। साज ने हिमांशी के साथ 'अल्लाह खैर करे' गाने में अपनी आवाज दी है।

धोनी से मिलने के बाद काफी खुश हैं निर्देशक विग्नेश

चेन्नई (आईएएनएस)। साल 2021 और 2022 भले ही दुनिया के एक बड़े हिस्से के लिए दुर्भाग्य लेकर आए हों, लेकिन वे निर्देशक विग्नेश शिवन के लिए सौभाग्य के अलावा कुछ और नहीं लेकर आए हैं। हां, निर्देशक के पास साझा करने के लिए एक और अच्छी खबर है और वो ये है कि इस बार उनके साथ रोल मॉडल और आइकन, पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी हैं। दिलचस्प बात यह है कि विग्नेश शिवन न सिर्फ अपने आइकॉन से मिले, बल्कि उन्हें फिल्म के लिए डायरेक्ट भी किया है। इंस्टाग्राम पर एक साथ उनकी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए विग्नेश शिवन ने कहा, "एक कैप्शन यह नहीं समझा सकता है कि जब मैं अपने रोल मॉडल से मिला तो मुझे कैसा लगा! मेरे आइकन! मेरे हीरो! उनसे मिलने की एक अच्छी कहानी को बताने का मौका मिला।" निर्देशक के पास एक ड्रीम रहा है। सबसे पहले निर्माता के रूप में उनकी पहली फिल्म, 'कूझंगल', भारत की ऑस्कर प्रविष्टि के रूप में उभरने की उम्मीदों से अधिक थी। हालांकि फिल्म ने नामांकन में जगह नहीं बनाई, लेकिन इसे दुनिया भर में विभिन्न तिमाहियों से व्यापक सराहना मिल रही है।

लॉन्च होगा 'भीमला नायक' का ट्रेलर

हैदराबाद (आईएएनएस)। भीमला नायक 25 फरवरी को रिलीज के लिए तैयार है। निर्माताओं ने शनिवार को पवन कल्याण और राणा दग्गुबाती अभिनीत फिल्म की बड़े पैमाने पर रिलीज से पहले ट्रेलर रिलीज करने की घोषणा की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भीमला नायक के निर्माताओं ने सोमवार 21 फरवरी को हैदराबाद के यूसुफगुडा पुलिस ग्राउंड में फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट की व्यवस्था की है। इवेंट के दौरान बहुप्रतीक्षित फिल्म का थिएट्रिकल ट्रेलर लॉन्च किया जाएगा। खबर है कि इस कार्यक्रम में तेलंगाना के मंत्री और टीआरएस नेता के टी रामाराव मुख्य अतिथि होंगे। इससे पहले शनिवार को त्रिविक्रम श्रीनिवास (फिल्म के लिए पटकथा और संवाद लेखक) और निर्माता एस चाइना बाबू ने उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व-रिलीज कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। सागर के चंद्रा द्वारा अभिनीत, भीमला नायक अब सेंसर प्रमाणित है, और इसे सीबीएफसी से यूए प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ है। फिल्म में पवन कल्याण-राणा दग्गुबाती मेन स्टार के रूप में है।

काशी विश्वनाथ धाम के लिए नया ऐप

■ वाराणसी (आईएएनएस)।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट द्वारा काशी विश्वनाथ मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक एप लांच किया गया है।

महाशिवरात्रि के अवसर पर काशी विश्वनाथ के दर्शन करने के इच्छुक भक्त इस आवेदन पर अपना पंजीकरण करा सकते हैं और दर्शन के लिए उचित मार्ग और समय की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ऐप पर खुद को पंजीकृत करने वाले मंदिर प्रशासन को एक निश्चित समय में मंदिर में अपेक्षित भक्तों की संख्या के बारे में सटीक जानकारी देंगे, जिससे मंदिर प्रशासन को भीड़ को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने में मदद मिलेगी। भविष्य में, इस ऐप में और अधिक सुविधाएं जोड़ी जाएंगी।

संभागायुक्त दीपक अग्रवाल ने बताया कि शिवरात्रि (1 मार्च) के अवसर पर गंगा किनारे से भी श्रद्धालुओं के आने का नया मार्ग खोला जा रहा है। साथ ही गर्भगृह में सभी प्रवेश द्वारों से प्रवेश की भी व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को विभिन्न स्थानों पर एलईडी लगाकर काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह का सीधा दर्शन किया जाएगा। वीवीआईपी को जल मार्ग से आने को कहा गया है। मैदागिन व गोदौलिया से किसी भी बड़े वाहन को

■ महाशिवरात्रि पर दर्शन करने के इच्छुक भक्त करा सकते हैं पंजीकरण

■ दर्शन के लिए उचित मार्ग और समय की जानकारी होगी प्राप्त

अनुमति नहीं दी जाएगी। मंदिर प्रशासन की ओर से दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए ई-रिक्शा चलाए जाएंगे।

जगह-जगह बैरिकेडिंग की जाएगी और विभिन्न स्थानों पर पानी और रात में होने वाले कार्यक्रमों के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने कहा कि कतार के लिए परिसर में स्टील की रेलिंग लगाई जाएगी और मंदिर में झांकी दर्शन की व्यवस्था जारी रहेगी। भक्तों को दर्शन करने में आसानी होगी। श्री काशी विश्वनाथ धाम के निर्माण के बाद महा शिवरात्रि का यह पहला उत्सव होगा। इस बीच, यहां विभिन्न समारोहों और चुनावों के मद्देनजर पुलिस कर्मियों को सतर्क रहने और शहर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

काशी में एक हजार उपेक्षित मंदिरों के जीर्णोद्धार का अभियान

■ वाराणसी (आईएएनएस)।

अखिल भारतीय संत समिति, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद और श्री काशी विद्वत परिषद ने स्कंद पुराण के 'काशी खंड' में वर्णित 1,000 उपेक्षित और वीरान मंदिरों की देखभाल के लिए 'हमारी काशी, हमारे देवालय' अभियान शुरू किया है।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी, अखिल भारतीय संत समिति के महासचिव, स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती महाराज, अन्नपूर्णा मंदिर के महंत स्वामी शंकर पुरी और श्री काशी विद्वत परिषद के महासचिव प्रोफेसर राम नारायण द्विवेदी ने अभियान की शुरूआत की है। गंगा महासभा के अभियान प्रभारी और महासचिव गोविंद शर्मा ने कहा, 'वाराणसी में काशी खंड में सूचीबद्ध 1,000 से अधिक मंदिर हैं। अब तक, हमने 40 उपेक्षित मंदिरों की पहचान की है, और आगे की पहचान जारी है।'

■ स्कंद पुराण के 'काशी खंड' में वर्णित हैं मंदिर

■ 'हमारी काशी, हमारे देवालय' अभियान शुरू

उन्होंने कहा कि अभियान के पहले चरण में ऐसे 108 मंदिरों को शामिल किया जाएगा और अखिल भारतीय संत समिति पूजा के लिए प्रति माह 2,500 रुपये और सेवा करने वाले पुजारी को मानदेय के रूप में 5,000 रुपये प्रति माह आवंटित करेगी। इस अभियान का संकल्प पिछले साल काशी में सांस्कृतिक संसद में लिया गया था। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और महानिरवाणी अखाड़े के महासचिव महंत रवींद्र पुरी ने कहा कि काशी के उपेक्षित मंदिरों की व्यवस्था की जाएगी और नियमित पूजा, श्रृंगार और आरती की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा, श्री काशी विद्वत परिषद और गंगा महासभा के महासचिवों के नेतृत्व में एक समिति ऐसे मंदिरों का चयन करेगी। वित्तीय प्रबंधन महानिर्वाणी अखाड़ा द्वारा किया जाएगा।

उन्होंने श्रद्धालुओं से इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा, धर्म की रक्षा और जन जागरूकता के लिए अभियान महत्वपूर्ण है। बाद में, मंदिरों में व्यवस्था की देखभाल के लिए स्थानीय लोगों की 10 सदस्यीय समितियां बनाई जाएंगी। प्रो. द्विवेदी ने कहा, 'अब योजनाबद्ध व चरणबद्ध तरीके से इसे साकार करने की दिशा में काम शुरू किया जा रहा है।'

रायबरेली में मुश्किल में कांग्रेस, प्रियंका वाड्रा ने संभाला मोर्चा जनता को याद दिलाया यह रिश्ता

रायबरेली। दशकों से कांग्रेस और गांधी-नेहरू परिवार का गढ़ रहे रायबरेली जिले में भी पार्टी इस बार कमजोर नजर आ रही है। सोनिया गांधी रायबरेली से सांसद हैं, लेकिन पार्टी की लगभग हर सीट पर दावेदारी कमजोर है। एक तरफ रायबरेली में अदिति सिंह भाजपा के टिकट पर उतरकर मजबूत चुनौती पेश कर रही हैं तो वहीं हरचंदपुर से राकेश सिंह भी अब भगवा दल के हो चले हैं। ऊंचाहार में सपा नेता मनोज पांडेय तीसरी बार विधायक बनने के लिए उतरे हैं। यहां भी मनोज पांडेय को कांग्रेस से ज्यादा भाजपा ही चुनौती देने की स्थिति में है। यही वजह है कि अब मां सोनिया गांधी के संसदीय क्षेत्र में प्रियंका गांधी एक्टिव हो गई हैं। रविवार को प्रियंका गांधी ने रायबरेली में प्रचार किया और भाजपा पर राजधर्म भूलने का आरोप लगाते हुए आम आदमी की उपेक्षा का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने जनता से भी अपील की कि वे गांधी परिवार से दशकों पुराने अपने रिश्ते को न भुलाए। रायबरेली की कुल 6 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस ने 2017 में कुल दो सीटें रायबरेली और हरचंदपुर की जीती थीं। रायबरेली में अखिलेश सिंह की

बेटी अदिति को जीत मिली थी और अब वह भाजपा के साथ हैं। उनके पिता इस सीट से निर्दलीय और पीस पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर भी जीते थे। साफ है कि यह सीट कांग्रेस से ज्यादा अदिति के परिवार का गढ़ है। इसीलिए भाजपा की संभावनाएं यहां मजबूत हैं। इसके अलावा हरचंदपुर से राकेश सिंह भी मजबूत उम्मीदवार हैं और भाजपा के पक्ष में जिले में बने माहौल ने उनकी दावेदारी को और पुख्ता किया है। इसके अलावा बछरावां, सरेनी, सलोन में भी भाजपा दोबारा अपनी जीत के लिए उतरी है। यही वजह है कि कांग्रेस को इस बार जिले में सूपड़ा साफ होने तक का खतरा नजर आ रहा है। रविवार को जिले के जगतपुर कस्बे में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा, 'यहां जब भी संकट होता था तो मेरे पिता यहां आया करते थे। मेरी दादी और मां ने भी यही किया। किसी से भी यहां पूछ लीजिए। वे आपके साथ खड़े रहे। भाजपा नेताओं की तरह नहीं किया, जो कोरोना संकट में छोड़कर भाग खड़े हुए। प्रियंका गांधी ने इस मौके पर अखिलेश यादव और मायावती को भी खूब सुनाया। उन्होंने कहा, मैंने बीते तीन सालों में कभी नहीं देखा कि अखिलेश यादव घर से बाहर निकले हों। तीन महीने ही उन्होंने बस ली और लोगों से वोट मांगने के लिए निकल पड़े। मायावती जी ने भी लोगों के लिए बाहर निकलने का काम नहीं किया।

शाह तय करते हैं बसपा के टिकट 'हिंदू-मुस्लिम' पर भी कही बड़ी बात

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चौथे चरम से पहले आरोप-प्रत्यारोप चरम पर पहुंच गया है। हरदोई के संडिला में समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ जनसभा को संबोधित करते हुए सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने बीजेपी के साथ ही बसपा पर भी बड़ा प्रहार किया है। ओपी राजभर ने आरोप लगाया कि बहुजन समाज पार्टी के लोग बीजेपी को जितवाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बसपा के टिकट बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह तय करते हैं। राजभर ने यह भी कहा कि बीजेपी हिंदुओं को खतरे में बताते हैं, मुसलमान इस्लाम को खतरे में बताता तो बात थी। ओपी राजभर ने कहा, कांग्रेस कहीं मुकाबले में दिख रही है क्या? बहुजन समाज पार्टी (बसपा) कहीं मुकाबले में दिख रही है क्या?

बसपा के लोग बीजेपी की सरकार बनाने को परेशान है। बसपा का टिकट अमित शाह के कमरे में तय होता है और सिंबल बसपा के दफ्तर में मिलता है। राजभर ने आगे कहा, अभी भाजपा के लोग आते होंगे और कहते होंगे कि हिंदू खतरे में हैं। देश का राष्ट्रपति हिंदू, प्रधानमंत्री हिंदू, गृहमंत्री हिंदू, रक्षामंत्री हिंदू, मुख्यमंत्री हिंदू, मुसलमान कहता कि इस्लाम खतरे में तो बात बनती। 60 साल से हिंदू खतरे में नहीं था, जब से बीजेपी सत्ता में आई है तभी से हिंदू खतरे में है। ओपी ने कहा, योगी गए थे पश्चिम, उन्होंने कहा था कि ऐ नौजवानों तुम्हारी गर्मी निकाल दूंगा। मैं भी गया था मेरठ, मैंने कहा था कि योगी नौजवानों की गर्मी निकाल रहे हैं, हमारी सरकार बनाओ हम भर्ती निकाल देंगे। हमारे बाबा योगी 16 पेपर कराए, सभी लीक हो गए। अखिलेश जी को सीएम बनाकर लीकेज बंद किया जाए। नौजवानों रेस बढ़ाओ, दौड़ में जितने लोग आगे जाओगे, पुलिस-पीएससी में भर्ती करा दी जाएगी।

यूपी ही नहीं 2024 में केंद्र से भी जाएगी बीजेपी-प्रियंका गांधी

रायबरेली। उप्र विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच कांग्रेस का गढ़ कहे जाने वाले रायबरेली में पार्टी महासचिव एवं उप्र प्रभारी प्रियंका गांधी अपने दौरे के दूसरे दिन रोड शो कर पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की। इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस का गढ़ कांग्रेस का ही गढ़ रहेगा। बीजेपी यहां अपना कमल नहीं खिला पाएगी। उन्होंने कहा कि अब यूपी ही नहीं 2024 में केंद्र से भी बीजेपी का सफाया होने जा रहा है। इस विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी यानी मनीष सिंह जीतकर विधानसभा पहुंचेंगे। कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत से कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। जिस तरीके से बीजेपी दोहरे चरित्र से दूसरी आंख से रायबरेली को देखती है, यह सही नहीं है। ये लोग सिर्फ स्वार्थ की राजनीति करते हैं। हमारी सरकार बनते ही हर गरीब, मजदूर को उसका हक दिलाने का काम किया जाएगा। सबसे पहले किसानों को उनका हक दिलाने का, अधिकार दिलाने का और छुट्टा पशुओं से मुक्त कराने का काम कांग्रेस करेगी। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से किसानों को दर-दर की ठोकरें खानी पड़ीं, हाथरस कांड में पीड़ित परिवार को न्याय न मिल सका, हजारों हत्याओं के आरोपी खुलेआम सड़कों पर घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी सिर्फ स्वार्थ की राजनीति करती है। बीजेपी जब से यूपी में आई है तब से किसानों के लिए काल बनी हुई है। किसान सिर्फ अपनी फसल बचाने के लिए रात-दिन डंडा लेकर फसल को बचाता फिर रहा है।

बाबा जी अपने सबसे प्रिय जानवर को भी नही पकड़ पा रहे हैं: अखिलेष यादव

बाराबंकी। रविवार को लगभग साढे चार बजे शहर के मौरंग मंडी मे सपा मुखिया अखिलेश यादव ने विशाल जन सभा को सम्बोधित किया। अपार जनसमूह को सम्बोधित करते हुये उन्होंने कहा भाजपा के सारे दावे कागजी है। न तो खरीद केन्द्रों पर किसानों की खरीद हो पा रही है न ही खाद, डीएपी मिल रही और जो मिल भी रही उसमे चोरी की शिकायत बडे. पैमाने पर आ रही है। बाबा कहते है गर्मी निकाल देगे बाराबंकी मे वोट पडना बाकी है अखिलेश यादव ने कहा पहले चरण मे भाजपा के नेता कार्यकर्ता ठंडे दूसरे चरण मे सुन्न, और तीसरे चरण मे पड़ गये और बाराबंकी मे शून्य होगे यही नही भाजपा के बूथों पर भूत नाचेगे। उन्होंने कहा आज किसानों को खेतो मे तार लगाने पड़ रहे। बाबा जी अपने सबसे प्रिय जानवर को भी नही पकड़ पा रहे। अखिलेश यादव ने एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र का हवाला देते हुये कहा कि आज तो बाबा का नया नामकरण बुल्डोजर बाबा हो गया। बाबा जहाँ गये वहाँ सिर्फ दो काम किया नाम बदला और रंग बदल दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि बाबा का बुल्डोजर मेंटेनेंस पर है। भाजपा और बाबा पर

तंज कसते हुये भीड़ से पूछा लैपटॉप, स्मार्ट फोन टैबलेट मिला भीड से जबाब मिला नही भीड़ से जबाब मिलने पर बोले खुद पूरब मे देखते है जनता पश्चिम मे जो स्मार्ट फोन न चलाना जानता है वो युवाओ का हित कहाँ से कर सकता है। अखिलेश ने कहाँ तीन काले कानून लाये गये सात सौ किसानों की जाने चली गई। किसानों ने साल भर सडक पर आन्दोलन किया लेकिन किसानों की भाजपा सरकार ने एक न सुनी। चुनाव आते ही काले कानून वापस कर लिये गये। बीजेपी के लोग सात सौ बार कान पकड़ कर उठक बैठक लगायेगे तब भी जनता भाजपा को वोट नहीं करेगी। अखिलेश ने कहा सपा की तीन सौ यूनिट निशुल्क बिजली का नाम सुनते ही भाजपा के नेताओ को करंट लगने लगा है। सपा सरकार छुटटा जानवरो से जान जाने पर पांच लाख रुपए मद्द देगी। मंच साझा करने वालो मे पूर्व मंत्री राकेश वर्मा, अरविंद सिंह गोप, सुरेश यादव, गौरव रावत, राममगन रावत, फरीद महफूज किदवई पूर्व मंत्री संग्राम सिह वर्मा धीरेंद्र वर्मा, श्रेया वर्मा राजेश यादव (राजू) प्रीतम सिह वर्मा नेहा सिंह आनन्द, केडी देवा चेयरमैन साहबे आलम मौजूद रहे।

श्रीमद भागवत कथा का हवन के साथ किया समापन

बाराबंकी। भगवान श्रीकृष्ण सच्चिदानंद ब्रह्मा है जिनके चरणों में नमन करने से जीव सर्वथा पाप विमुक्त हो जाता है। उक्त बातें लखनऊ से पधारे कथावाचक चन्द्रशेखर जी महाराज ने रामनगर क्षेत्र के करीमाबाद हनुमान मंदिर के प्रांगण में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन मे अपने अमृत वचन में कहा। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। भागवत कथा के अंतिम दिन श्रीकृष्ण रुक्मणी विवाह महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। आओ मेरी सखियों मुझे मेहंदी लगा दो जैसे भजन पर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह नजर आया। श्रद्धालुओं के जनसैलाब के आगे कथा स्थल पर जगह छोटा पड़ गया। कथा के दौरान भक्ति भजनों पर महिलाएं-पुरुष झूमते नजर आये। 5 दिनों तक आसपास का पूरा इलाका भक्ति भजनों से गूंजायमान होता रहा। श्रीमद भागवत कथा के अंतिम दिन हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भागवत पूजन करते हुए व्यास पूजन भी किया। क्षेत्रीय लोगों के द्वारा कथा व्यास चन्द्रशेखर जी का भव्य स्वागत किया गया कथा को आगे बढ़ाते हुए कथा व्यास चन्द्रशेखर जी महाराज ने दाम्पत्य जीवन पर प्रवचन करते हुए कहा कि पति पत्नी गृहस्थ जीवन रूपी गाड़ी के दो पहिये हैं। एक में भी कमी आई तो परिवार को टूटने से कोई नहीं बचा सकता। कथा में सुदामा चरित्र का भाव पूर्ण वर्णन किया गया। उन्होंने कहा कि यदि आप पिता हैं तो अपनी संतान को ऐसे संस्कार जरूर देना कि वे सदा जीवन में राष्ट्र के काम आवे। कथा का समापन हवन के साथ किया गया।

स्कॉलर न मिलने से छात्र के अभिभावक ने डीएम से लगाई गुहार

मसौली, बाराबंकी। फतेहचंद जगदीश राय इंटर कालेज के बाबू की लापरवाही एव हठधर्मिता चलते स्कॉलर फार्म समिट न करने की शिकायत छात्र एव अभिभावक ने जिलाधिकारी सहित अनुसूचित जनजाति आयोग से की है। ग्राम अतरौली मजरे सूर्यपुर खपैरेला निवासी देवेन्द्र कुमार जयचंद जो फतेहचंद जगदीश राय इंटर कालेज सफदरगंज का हाईस्कूल का छात्र है। अनुसूचित जाति एव गरीब होने के कारण छात्र देवेन्द्र कुमार ने छात्रवृत्ति के लिए सितम्बर माह में ऑनलाइन आवेदन कर प्रपत्र कालेज के बाबू पवन कुमार वर्मा के पास जमा किये थे परन्तु द्वेषभावना के चलते पवन कुमार वर्मा ने गरीब एव अनुसूचित जाति के छात्र का आवेदन पत्र फारवर्ड नही किया जिससे आहित छात्र एव उसके अभिभावक ने जिलाधिकारी सहित आयोग के अध्यक्ष से न्याय की गुहार लगायी है।

लखनऊ बना प्रचार का मैदान, योगी और अखिलेश ने रोड शो कर दिखाई ताकत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए तीन चरणों का मतदान हो चुका है। अब 23 फरवरी को चौथे चरण के लिए प्रचार का आज अंतिम दिन है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को विधानसभा चुनाव में अपनी-अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में राजधानी लखनऊ में रोड शो निकाला। योगी का रोड शो केवल सरोजिनी नगर विधानसभा क्षेत्र में था, जहां से भाजपा ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पूर्व अधिकारी राजेश्वर सिंह को मैदान में उतारा है। वहीं, अखिलेश ने भी अपने विजय रथ पर सरोजिनी नगर से ही रोड शो शुरू किया और पूरे शहर में घूमे। सपा ने सरोजिनी नगर सीट से पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्रा को उम्मीदवार बनाया है। अखिलेश ने अपने संक्षिप्त भाषण में कहा कि इस बार कोई पार्टी नहीं, बल्कि पिछले पांच वर्षों के दौरान जिन लोगों ने दुख सहा है, वे भाजपा के

खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने योगी पर निशाना साधते हुए कहा कि एक मीडिया संगठन ने उनका नाम बुलडोजर बाबा रख दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा चुनाव के शुरूआती तीन चरणों में भाजपा की बुरी हालत के बाद योगी के बुलडोजर को मरम्मत के लिए भेज दिया गया है। अखिलेश का रोड शो सरोजिनी नगर से शुरू होकर हजरतगंज और पुराने लखनऊ के अकबरी गेट होते हुए मुंशी पुलिया पर खत्म हुआ। लखनऊ में विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के तहत आगामी 23 फरवरी को मतदान होना है।

अब जनता खुद-ब-खुद कांग्रेस के साथ हो चली है: रुही अरषद

बाराबंकी। मोदी सरकार ने मुसलमानों के हक को मारने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखी है। मुसलमान आज दोयम दर्जे की जिन्दगी जीने को मजबूर है। जबकि, कांग्रेस ने हमेशा सभी धर्म और जातियों के एक साथ विकास और विश्वास को ही बल दिया है। उक्त बात सदर विधानसभा 268 से कांग्रेस प्रत्याशी रूही अरशद ने डोर टू डोर जनसम्पर्क के दौरान लोगों से कही। रूही अरशद ने आगे कहा कि, बाराबंकी सदर में कांग्रेस की सीधी टक्कर भाजपा से है। कांग्रेस के बढ़ते जनाधार को देखकर भाजपा बौखला गई है। मुसलमानों और हिन्दुओं दोनों को साथ लेकर चलने वाली कांग्रेस की नीतियों को अब जनता अच्छी तरह समझ और जान रही है। अब जनता खुद-ब-खुद कांग्रेस के साथ हो चली है। जनसम्पर्क में पूनम रावत, रामकली रावत, सन्नो देवी रावत, तारा देवी रावत, बूथ अध्यक्ष विनोद रावत सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

मैनपुरी : बढ़े हुए मतदान से किसको मिलेगा अभयदान

मैनपुरी। मैनपुरी के मतदाताओं ने इस बार विधानसभा चुनाव में मतदान का नया कीर्तिमान रच दिया। मतदाताओं ने ऐसा उत्साह दिखाया कि 2017 के चुनाव से लंबी लकीर खींच दी। बीते चुनाव की अपेक्षा इस बार 4 प्रतिशत अधिक मतदान हुआ है। बढ़े हुए मतदान से किसको अभयदान मिलेगा ये तो बाद में ही पता चलेगा, लेकिन बढ़े हुए मतदान ने प्रत्याशियों की धड़कनें बढ़ा दी हैं।

इसे मतदाताओं में आई जागरुकता कहें या मैनपुरी के सियासी अखाड़े की जोर आजमाइश, लेकिन मतदाताओं ने इस बार विधानसभा चुनाव में मतदान का नया कीर्तिमान रच दिया। औसतन 57 से 59 प्रतिशत के बीच सिमटने वाले मतदान प्रतिशत को मतदाताओं ने 63 प्रतिशत पहुंचा दिया। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव की अगर बात करें तो जिले की चार विधानसभा सीटों पर औसत 59.67 प्रतिशत मतदान हुआ था। ऐसे में इस बार हुआ मतदान बीते चुनाव की तुलना में 4 अधिक है। मतदाताओं की संख्या में अगर देखें तो बीते चुनाव की अपेक्षा करीब 54 हजार अधिक मतदाताओं ने लोकतंत्र के महापर्व में मतदान कर अपनी आहुति दी। मतदान बढ़ने से प्रशासन ने जहां राहत की सांस ली है तो वहीं सियासत के सूरमाओं की धड़कनें बढ़ गई हैं। बढ़ा हुआ मतदान किसके लिए अभयदान बनेगा, ये सवाल उन्हें परेशान कर रहा है।

मैनपुरी सदर सीट पर सबसे अधिक पड़ेगा प्रभाव- मतदान का प्रतिशत बढ़ने से मैनपुरी सदर सीट के आंकड़ों पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ेगा। वर्ष 2017 के चुनाव की अपेक्षा इस बार सदर सीट पर लगभग तीन प्रतिशत बढ़ा है। ऐसे में लगभग दस हजार वोट बीते चुनाव से अधिक पड़ा है। 2017 में हुई जीत की अगर बात करें तो सपा को इस सीट पर 8831 वोट से जीत मिली थी। इससे साफ है कि इस बढ़े हुए मतदान फीसद की अहमियत मैनपुरी सदर सीट के लिए कितनी अहम है। रविवार को शाम छह बजे मतदान समाप्त हो गया।

पूर्व उपसभापति का हुआ भव्य स्वागत

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश को पूरा देश देख रहा है। यहां की जनता किसे जिताएगी और किसे हराएगी यह पूरी दुनिया देख रही है। यदि उत्तर प्रदेश का भविष्य बदल गया तो पूरे देश का भविष्य बदलेगा। यह बात कर्नाटक सरकार में उपसभापति रहे बी.आर पाटिल ने कही। श्री पाटिल कर्नाटक विधानसभा में तीन बार विधायक और एक बार एमएलसी रहे। उन्होंने आपातकाल का विरोध किया और छह माह बंदी बनाए गए। वह जनता पार्टी के सदस्य रहे है। रविवार को नगर के गांधी भवन पहुंचे कर्नाटक के कद्दावर नेता बी.आर. पाटिल का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर मार्ल्यापण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं गांधी जयन्ती समारोह ट्रस्ट के अध्यक्ष राजनाथ शर्मा ने बी.आर. पाटिल को शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया। श्री पाटिल ने अपने सम्बोधन में कहा कि गांधीजी ने हमको एक सपना दिया था सर्वधर्म के लोगों को मिलकर जीना।

शिविर में 185 लोगों मरीजों की हुई जांच

मऊ। रविवार को ग्राम कांझा खुर्द में शारदा नारायन हॉस्पिटल द्वारा एक निःशुल्क चिकित्सीय शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घघाटन एसएनएच के चैयरमेन डा. संजय सिंह द्वारा

फीताकाट कर किया गया। इस अवसर पर शारदा नारायन हॉस्पिटल की चिकित्सीय टीम द्वारा निःशुल्क बीपी, शुगर, सांस की जांच, परामर्श एव दवा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे हृदय रोग विशेषज्ञ डा. संजय सिंह, स्त्री एव प्रसूति रोग विशेषज्ञ डा. सरिता वर्मा द्वारा 185 लोगो को निःशुल्क परामर्श दिया गया। इसके उपरान्त सभी मरीजो निःशुल्क दवा वितरण किया गया। सभी मरीजो को संतुलित आहार तालिका भी दी गयी। इस मौके पर बोलते हुए रोटरी क्लब के अध्यक्ष एव शारदा नारायन हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डा. संजय सिंह ने बताया की एके शर्मा के आह्वान पर शारदा नारायन हॉस्पिटल की चिकित्सीय टीम द्वारा प्रत्येक माह के तीसरे रविवार को एक जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ऐसे ही करता रहेगा। आगे उन्होंने लोगो को मौसम परवर्तित होने पर होने वाली बीमारियों से अवगत कराया तथा उससे बचने के उपाय बताये। आगे उन्होंने कोरोना के नए वैरिएंट ओमीक्रॉन के बारे में लोगो को जागरूक किया तथा उससे बचने के लिए बताया की हमें मास्क का उपयोग निरंतर तौर पे करना चाहिए, भीड़भाड़ वाली जगह से जाने से बचना चहिये तथा जिन्होंने वैक्सीन नहीं लगवाई है वो जरूर लगवाए। अंत में डॉ सिंह ने बताया की ये सभी लोग का दायित्व बनता है की वैक्सीन के लिए लोगो को जागरूक करे। इस अवसर पर डॉ दिनेश कुमार जिला उपाध्यक्ष प्रधान संघ अरुण कुमार शर्मा, ग्राम प्रधान अर्पिता राय, पूर्व प्रधान जीतेन्द्र प्रसाद, मनई राम, भानुप्रताप, हंसराज आदि लोग मौजूद रहे।

विद्युत पोल से टकराई पिकअप, हाईवे जाम

आजमगढ़। नेशनल हाईवे पर अनियंत्रित पिकअप बिजली के खंभे से जा टकराई। टक्कर जोरदार होने से विद्युत पोल हाईवे पर आ गिरा। अनहोनी की आशंका में उधर से गुजरने वाले वाहन जहां के तहां खड़े हो गए। उसके बाद तो देखते ही देखते आजमगढ़-गोरखपुर मार्ग पर दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी कतार लगने से भीषण

जाम लग गया। हाईवे की रफ्तार थमते ही अधिकारियों को भनक लगी तो परेशान हो उठे। बिजली विभाग के इंजीनियर मौके पर पहुंचे तो बिजली काटने के बाद पोल हटवाए तो यातायात सुचारु हो पाई। पिकअप चालक को भी मामूली चोटें आईं है। हालांकि, वह नशे में धुत होने के कारण ज्यादा कुछ बताने की स्थिति में नहीं था।

उनके चेहरे से जो मुस्कान चली जाती है!

मेरी दौलत मेरी पहचान चली जाती है!! काव्य संध्या में शायरों व कवियों ने दिया एकता का संदेश

मधुबन, मऊ। स्थानीय तहसील क्षेत्र के सिपाह इब्राहिमाबाद बाजार में शनिवार की देर शाम एक काव्य संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें दर्जनों शायरों व कवियों ने अपनी सुमधुर आवाज में अपने गीतों व रचनाओं के माध्यम से आपसी सौहार्द व भाईचारे का संदेश देकर श्रोताओं से खूब वाहवाही लूटी। श्रीनिवास जायसवाल की अध्यक्षता व शन्नू आजमी के संचालन में चली काव्य संध्या का शुभारंभ पूनम श्रीवास्तव की सरस्वती बन्दना व खैरुल बशर की नाते पाक से हुआ। सलमान घोसवी ने अपनी रचना मिलाकर सात रंगों को वफा का नाम लिखना है, वरक पे दिल के होली का यही पैगाम लिखना है! जलाकर सारी नफरत की यहां पर होलिका यारों,,

बनारस की सुबह लिखूं अवध की शाम लिखना है!! प्रस्तुत कर आपसी सौहार्द व भाईचारे का संदेश दिया तो सुप्रसिद्ध कवयित्री पूनम श्रीवास्तव ने अपनी रचना दर्दों गम का सिला नहीं देती, जो खता हो सजा नहीं देती! अपनी औलाद चाहे जैसी हो, मां कभी बददुआ नहीं देती!! सुनाकर मां और बेटे के रिश्ते के मर्म को समझाया। इन कवियों व शायरों के अलावा तारिक घोसवी, विपिन बिहारी पाठक, एनाउंसर ताज, ओबैदुल्लाह आजमी, शिवम दुबे आदि ने भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर मौजूद श्रोताओं की खूब वाहवाही बटोरी। शायरों व कवियों की हौसला अफजाई के लिए जनपद की प्रथम लोकपाल विनीता दीक्षित पांडेय, वरिष्ठ अधिवक्ता सुधाकर राय, ग्राम प्रधान रामनाथ यादव, ज्याउद्दीन खान, अरविंद कुमार पांडेय, मुंशी रशीद अहमद, अजय दुबे, सुशील चैबे, आदित्य पांडेय, वीरेंद्रनाथ पांडेय, शकील आजम सिद्दीकी आदि लोग पूरे समय मौजूद रहे। अंत में इस काव्य संध्या के संयोजक रेवतीरमण पांडेय ने सभी आगन्तुकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

भारत ने विंडीज को वनडे के बाद टी-20 में भी किया क्लीन स्वीप

टी-20 रैंकिंग में फिर नंबर वन पर भारत, सूर्या का आतिशी अर्धशतक

कोलकाता (एजेंसी)। वेंकटेश अय्यर (नाबाद 35 रन और दो विकेट) के दोहरे प्रदर्शन और मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज सूर्यकुमार यादव (65) आतिशी अर्धशतकीय पारी के साथ पांचवें विकेट के लिए 91 रन की जबरदस्त साझेदारी की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज को रविवार को तीसरे और आखिरी टी 20 मैच में 17 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज को 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। भारत ने पांच विकेट पर 184 रन का मजबूत स्कोर बनाया और फिर विंडीज को नौ विकेट पर 167 रन पर रोक दिया। भारत ने इस तरह वेस्टइंडीज को पूरे दौरे में क्लीन स्वीप कर दिया और इस तरह की यह उसकी दूसरी उपलब्धि बन गई।

इससे पहले 2017 में विराट कोहली के नेतृत्व में भारतीय टीम ने श्रीलंका दौरे पर तीनों प्रारूपों (टेस्ट, वनडे, टी-20) में मेजबान श्रीलंका को 9-0 से क्लीन स्वीप किया था। इसके साथ ही रोहित की कप्तानी वाली इस टीम ने वनडे के बाद टी-20 सीरीज में भी क्लीन स्वीप किया और रैंकिंग में नंबर वन होने का तमगा हासिल कर लिया। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरे भारत की शुरुआत खराब रही और रुतुराज गायकवाड चार रन बनाकर 10 रन के स्कोर पर आउट हो गए। ईशान किशन और श्रेयस अय्यर ने दूसरे विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी की लेकिन इसके बाद 93 रन तक जाते जाते भारत के चार विकेट गिर गए। ईशान ने 34 रन और अय्यर ने 25 रन बनाये। कप्तान रोहित सात रन बनाकर पवेलियन लौट गए। चार विकेट 13.5 ओवर में 93 रन पर गिर जाने के बाद सूर्य और वेंकटेश ने मोर्चा संभाला और विंडीज पर काउंटर अटैक किया। सूर्य ने जबरदस्त छक्के लगाए। उन्होंने अपना अर्धशतक पूरा करने के बाद स्टेडियम में मौजूद 20 हजार दर्शकों का बल्ला हवा में उठाकर अभिवादन किया। सूर्य ने अपने 62 रन के पिछले सर्वश्रेष्ठ स्कोर को पीछे छोड़ दिया और 65 रन का अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाकर पारी की आखिरी गेंद पर बॉउंड्री के पास लपके गए। सूर्य ने मात्र 31 गेंदों में एक चौके और सात छक्कों की मदद से 65 रन बनाये जबकि वेंकटेश ने 19 गेंदों में चार चौकों और दो छक्कों के सहारे नाबाद 35 रन बनाए।

विंडीज के बल्लेबाजों का खराब प्रदर्शन

लक्ष्य का पीछा करते हुए विंडीज की शुरुआत खराब रही और पहले ही ओवर में काइल मेयर्स (6) दीपक चाहर को अपना विकेट दे बैठे। चाहर ने अपने अगले ही ओवर में शाई होप (8) को आउट कर विंडीज दूसरा झटका पहुंचाया। इसके बाद निकोलस पूरन 61 और रोवमैन पॉवेल ने तेजी से सिर्फ 25 गेंदों पर 47 रन जोड़े। इस साझेदारी पर ब्रेक हर्षल पटेल ने पॉवेल (25) को आउट कर लगाया। वेंकटेश अय्यर ने कीरोन पोलार्ड (5) को आउट कर मेहमान टीम को बड़ा झटका पहुंचाया। वेंकटेश ने अपने अगले ओवर में जेसन होल्डर (2) को आउट कर मैदान से बाहर का रास्ता दिखाया। निकोलस पूरन और रोमारियो शेफर्ड ने 25 गेंदों में ताबड़तोड़ 48 रन जोड़कर मैच को रोमांचक बना दिया। रोमारियो शेफर्ड (29) को हर्षल ने आउच कर भारतीय टीम की जीत पक्की कर दी। भारत के लिए हर्षल पटेल ने 3, दीपक चाहर, वेंकटेश अय्यर और शार्दुल ठाकुर ने 2-2 विकेट झटके।

स्कोर बोर्ड

भारतीय पारी	रन	गेंद	4	6
गायकवाड़ कै. मेयर्स बो. होल्डर	04	08	1	0
ईशान किशन बो. चेज	34	31	5	0
श्रेयस कै. होल्डर बो. वॉल्श	25	16	4	0
रोहित शर्मा बो. ड्रेक्स	07	15	0	0
सूर्यकुमार यादव कै. पॉवेल बो. शेफर्ड	65	31	1	7
वेंकटेश अय्यर नाबाद	35	19	4	2

अतिरिक्त: 14, कुल: 20 ओवर में पांच विकेट पर 184 रन **विकेट पतन:** 1-10 , 2-63 , 3-66 , 4-93 , 5-184 **गेंदबाजी:** जेसन होल्डर 4 -0-29-1, रोमारियो शेफर्ड 4-0-50-1, रॉस्टन चेज 4-0-23-1, हेडन वॉल्श 4- 0-30-1, डॉमिनिक ड्रेक्स 3-0-37-1, फेबियन ऐलेन 1-0-5-0,

वेस्टइंडीज पारी	रन	गेंद	4	6
काइल मेयर्स कै. किशन बो. चाहर	06	05	1	0
शे होप कै. किशन बो. चाहर	08	04	2	0
पूरन कै. किशन बो. शार्दुल	61	47	8	1
पॉवेल कै. शार्दुल बो. हर्षल	25	14	2	2
कीरोन पोलार्ड बो. बिश्नोई बो. वेंकटेश	05	07	1	0
जेसन होल्डर बो. श्रेयस बो. वेंकटेश	02	06	0	0
रॉस्टन चेज बो. हर्षल	12	07	2	0
शेफर्ड बो. रोहित बो. हर्षल	29	21	1	3
फेबियन ऐलेन नाबाद	05	03	1	0
डॉमिनिक ड्रेक्स कै. रोहित बो. शार्दुल	04	03	0	0
हेडन वॉल्श नाबाद	00	03	0	0

अतिरिक्त:10, कुल: 20 ओवर में नौ विकेट पर 167 रन, **विकेट पतन:** 1-6, 2-26, 3-73, 4-82 , 5-87, 6-100, 7-148, 8- 158, 9-166 **गेंदबाजी:** दीपक चाहर 1.5-0-15-2, आवेश खान 4-0-42-0, वेंकटेश 2.1-0-23-2, शार्दुल ठाकुर 4-0-33-2, रवि विश्नोई 4-0-29-0, हर्षल पटेल 4-0-22-3,

लगातार 9वीं जीत, पाकिस्तान के रिकॉर्ड की बराबरी की

भारतीय टीम की यह टी20 इंटरनेशनल में लगातार 9वीं जीत है। भारत को इस फॉर्मेट में आखिरी हार पिछले साल वर्ल्ड कप के अपने दूसरे मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली थी। उसके बाद टूर्नामेंट में खेले तीनों मैचों में भारत को जीत मिली। टीम ने अफगानिस्तान को 66 रन, स्कॉटलैंड को 8 विकेट और नामीबिया को 9 विकेट से हराया था। टूर्नामेंट के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैच की टी20 सीरीज में टीम को 3-0 से जीत मिली। इसके साथ ही उसने इस फॉर्मेट में लगातार सबसे अधिक जीत दर्ज करने के मामले में पाकिस्तान (9 मैच) के रिकॉर्ड की बराबरी की है।

मप्र के आवेश खान का डेब्यू

मप्र के तेज गेंदबाज आवेश खान ने विंडीज के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना डेब्यू। वह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत के लिए खेलने वाले 96वें खिलाड़ी बन गए हैं। मुकाबले से कुछ ही समय पहले भारतीय टीम के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने उनको डेब्यू कैप सौंपी। इस दौरान टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ और भारतीय टीम के बाकी खिलाड़ी साथ में थे। भारतीय टीम ने इस मुकाबले में चार बदलाव किए हैं, क्योंकि दो खिलाड़ी उपलब्ध नहीं हैं, जबकि दो खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। विराट कोहली, रिषभ पंत, भुवनेश्वर कुमार और युजवेंद्र चहल इस मैच का हिस्सा नहीं होंगे, जबकि रुतुराज गायकवाड़, श्रेयस अय्यर, शार्दुल ठाकुर और आवेश खान को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया है।

दीपक चाहर हुए चोटिल

भारतीय क्रिकेट टीम को उस समय बड़ा झटका लगा जब तीसरे टी20 मैच में गेंदबाजी करते हुए तेज गेंदबाज दीपक चाहर चोटिल हो गए। भारतीय टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज दीपक चाहर अपने कोटे का दूसरा ओवर फेंक रहे थे और आखिरी गेंद से पहले उनको पैर में परेशानी हुई। इसके बाद वे जमीन पर बैठ गए और फिर मैदान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। दीपक चाहर फीजियो की मदद से मैदान से बाहर चले गए। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से अभी इस पर कोई अपडेट नहीं आया।

हैरी केन के दो गोलों की मदद से जीता टोटनहैम

शीर्ष पर मौजूद मैनचेस्टर सिटी को 3-2 से हराया

मैनचेस्टर। स्टार खिलाड़ी हैरी केन के दो गोल की मदद से टोटनहैम ने शनिवार को यहां मैनचेस्टर सिटी को 3-2 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट की खिताब की दौड़ को रोमांचक बना दिया। देजान कुलुसेवस्की ने इतिहाद स्टेडियम में चौथे ही मिनट में टोटेनहैम को बढ़त दिला दी लेकिन इल्काय गुनडोगन ने 33वें मिनट में स्कोर बराबर कर दिया। मध्यांतर तक स्कोर 1-1 रहा। केन ने 59वें मिनट में उस टीम के खिलाफ गोल दागकर टोटनहैम को 2-1 की बढ़त दिला दी जो पिछले साल आफ सत्र के दौरान उनसे करार करना चाहती थी। रियाद मिराज ने इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में पेनल्टी पर गोल दागकर एक बार फिर मैनचेस्टर सिटी को बराबरी दिला दी। जब ऐसा लग रहा था कि टोटेनहैम को अंक बांटने पर मजबूर होना पड़ा तब केन ने इंजरी टाइम के पांचवें मिनट में अपना दूसरा गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित की। सिटी की टीम अब भी 26 मैच में 63 अंक के साथ शीर्ष पर है।

मिलान की खिताबी उम्मीदों को झटका

मिलान। शीर्ष पर चल रहे एसी मिलान ने अंतिम स्थान पर चल रहे सेलेरनिताना से शनिवार को 2-2 से ड्रॉ खेला जिससे सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट में टीम की खिताब की उम्मीदों को झटका लगा है। एसी मिलान की टीम 56 अंक के साथ गत चैंपियन इंटर मिलान से दो अंक आगे चल रही है लेकिन उसने दो मैच अधिक खेले हैं। एसी मिलान को तीसरे स्थान पर मौजूद नेपोली पर तीन अंक की बढ़त हासिल है लेकिन इस टीम ने भी उससे एक मैच कम खेला है। एसी मिलान को इस मुकाबले में शिकस्त का सामना करना पड़ सकता था लेकिन क्रोएशिया के फॉरवर्ड एंटे रेबिच ने 77वें मिनट में गोल दागकर टीम को एक अंक दिला दिया। इससे पांच मिनट पहले स्ट्राइकर मिलान जूरिच ने सेलेरनिताना को बढ़त दिलाई थी।

एटलेटिको मैड्रिड ने ओसासुना को हराया

बार्सीलोना। खराब फॉर्म से जूझ रहे एटलेटिको मैड्रिड ने चैंपियन्स लीग में मैनचेस्टर यूनाइटेड और क्रिस्टियानो रोनाल्डो का सामना करने से पहले ला लिगा लीग में ओसासुना को 3-0 से हराकर आत्मविश्वास भरी जीत दर्ज की। एटलेटिको को तीसरे ही मिनट में जाओ फेलिक्स ने बढ़त दिलाई। लुई सुआरेज ने 59वें मिनट में टीम की बढ़त को दोगुना किया जबकि एंजेल कोरिया (89वें मिनट) ने अंतिम लम्हों में एक और गोल दागकर एटलेटिको की 3-0 से जीत सुनिश्चित की।

हैमिल्टन ने सोशल मीडिया नेटवर्क से कार्रवाई का आग्रह किया

दुबई। सात बार के फॉर्मूला वन चैंपियन लुईस हैमिल्टन ने कहा है कि अबूधाबी में फॉर्मूला-1 सीजन के फाइनल में विलियम्स के ड्राइवर निकोलस लतीफी को उनकी कार दुर्घटना के बाद जान से मारने की धमकी मिलने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अभी भी कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया नेटवर्क से इस संबंध में कार्रवाई का आग्रह किया है। फाइनल टूर्नामेंट में अपनी कार के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद तीफी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक शब्दों का सामना करना पड़ा, जिसके कारण चैंपियनशिप का फैसला करने वाले अंतिम-लैप को फिर से शुरू करना पड़ा।

पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए अकरम

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और 1992 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य वसीम अकरम रविवार को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के हॉल ऑफ फेम में शामिल किए गए। आईसीसी हॉल ऑफ फेमर विवियन रिचर्ड्स ने अकरम को कराची किंग्स और क्वेटा ग्लैडिएटर्स के बीच पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) मैच की शुरुआत से पहले एक कैप और प्लेक भेंट करके औपचारिक रूप से विशेष सूची में शामिल किया।अकरम ने 1984 से 2003 तक एक अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 916 विकेट लिए और 6,615 रन भी बनाए। शीर्ष सम्मान प्राप्त करने पर अकरम कहा, मैं क्रिकेट में प्रतिष्ठित शख्सियतों में से एक सर विवियन रिचर्ड्स से यह सम्मान हासिल कर रहा हूं। इसके लिए मुझे खुद को सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। वह भी एक ऐसे स्थान पर जो मेरे खेल करियर के दौरान मेरा घरेलू मैदान रहा है । पूर्व क्रिकेटरों के योगदान को पहचानने और स्वीकार करने के लिए इस पहल को शुरू करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को बधाई। उन्होंने कहा, 18 वर्षों तक पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। इस दौरान मैंने 460 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले।

गोविंदपुरा ने जीता खिताब

जेएस प्रीमियर लीग का समापन

भोपाल। गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया की टीम ने एक रोचक मुकाबले में भोपाल क्रिकेट एसोसिएशन की टीम को अंतिम ओवर में हराकर जेएस प्रीमियर लीग पर कब्जा जमाया। भोपाल में पिछले तीन सालों से लगातार मानवता की सेवा को समर्पित जूनियर चैंबर इंटरनेशनल द्वारा भोपाल के फेथ क्रिकेट क्लब में जेएस प्रीमियर लीग का आयोजन 19 और 20 फरवरी को किया गया। लीग का उद्घाटन अरुणेश्वर सिंह देव, बाबा साहब द्वारा राघवेंद्र सिंह तोमर, पूर्व इंटरनेशनल खिलाड़ी जेपी यादव एवं रविंद्र साहू की मौजूदगी में किया गया। समापन अवसर पर भाजपा प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी उपस्थित थे। जेएस क्रिकेट लीग में भोपाल के अलग-अलग क्षेत्रों की आठ प्रतिष्ठित टीमों द्वारा भाग लिया गया। लगातार दो दिनों तक चली इस क्रिकेट लीग में शामिल हुई टीमों में जूनियर चेंबर इंटरनेशनल के अलावा डॉक्टर्स 11, बिजनेस नेटवर्क इंटरनेशनल, जैन यूथ क्लब, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोजपुर क्लब, भोपाल आईटी एंड ऑफिस ऑटोमेशन एसोसिएशन बिटवा और भोपाल क्रिकेट एसोसिएशन ने भाग लिया। जेसीआई द्वारा समाज के सभी संस्थानों और क्षेत्रों को अपने मानवता की सेवा के लक्ष्य में शामिल होने के लिए आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में पूरे जेसीआई परिवार के सदस्यों द्वारा सुचारू व्यवस्था के साथ संपन्न हुआ।

टीम से हटाने के बाद बरसे साहा

कहा, कोच और सिलेक्टर ने दी रिटायरमेंट की सलाह

नई दिल्ली। महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास लेने के बाद श्रीलंका के ख्लिाफ सीरीज में यह पहला मौका है जब ऋद्धिमान साहा को टेस्ट टीम से पूरी तरह से बाहर कर दिया गया है। पिछले कुछ समय से साहा और ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया की विकेटकीपिंग ज़िम्मेदारी संभाल रहे थे।

हालांकि पिछले दो साल से पंत ने साहा के ऊपर बढ़त ले ली थी। टीम से बाहर होने के बाद साहा ने कहा, मैं कभी गुस्सा नहीं होता हूं और ना अभी हूं। मुझे इस चयन निर्णय के बारे में दक्षिण अफ्रीका में ही बता दिया गया था, लेकिन मैंने इस बारे में किसी को नहीं बताया। अब जब टीम का चयन हो गया है, तो मैंने सिर्फ़ उन सवालों का जवाब दिया है, जो मुझसे पूछा गया। खुद उन्होंने चीफ सलेक्टर चेतन शर्मा के साथ की गई बातचीत के बारे में बताया। उन्होंने कहा, चेतन शर्मा ने मुझसे कहा कि वे श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए मुझ पर विचार नहीं करेंगे। मैंने उनसे पूछा कि क्या यह सिर्फ श्रीलंका सीरीज के लिए है, या इससे आगे भी है? उन्होंने हमारी बातचीत के दौरान एक विराम लिया और फिर कहा, अब से तुम पर विचार नहीं किया जाएगा। इस बयान से साफ है कि उनका इंटरनेशनल करियर खत्म हो गया है। इतना ही नहीं, टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने भी उनको रिटायरमेंट लेने के बारे में सोचने को कहा है।

गांगुली ने कहा था कि जब तक मैं बोर्ड में हूं चिंता मत करो

हालांकि, न्यूजीलैंड के खिलाफउन्होंने पहले मैच में 61 रन की पारी खेली थी। इसके बाद उनकी बात बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली से हुई थी तो गांगुली ने कहा था कि जब तक वह बीसीसीआई में हैं, उनको ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है। लेकिन चयन प्रक्रिया में तो बोर्ड अध्यक्ष की कोई भागीदारी नहीं होती है? साहा ने कहा मैं यह सब नहीं जानता। मुझे चयन से कोई शिकायत भी नहीं है। अगर मेरा चयन होता, तो मैं अच्छा करने की कोशिश करता। मैं ड्रॉप हुआ हूं तो मैं नहीं पूछ रहा कि क्यों मुझे बाहर किया गया है। टीम को अब मेरी जरूरत नहीं है, इसलिए उन्होंने ऐसा निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन और फिटनेस कोई मुद्दा नहीं है। हम बस नए चेहरों को मौका देना चाहते हैं। अब मैं रणजी ट्रॉफी खेलूं, दोहरा या तिहरा शतक बनाऊं, लेकिन तब भी मैं चयन के लिए कंसीडर नहीं किया जाऊंगा।

महिला वनडे विश्व कप के लिए वेस्टइंडीज की टीम घोषित

सेंट जॉन्स। वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड में चार मार्च से तीन अप्रैल तक होने वाले महिला वनडे वर्ल्ड कप के लिए स्टार ऑलराउंडर स्टेफनी टेलर की अगुआई में 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। ऑफ स्पिनर अनीसा मोहम्मद को टीम का उप-कप्तान चुना गया है। मोहम्मद का यह पांचवां विश्व कप होगा।

छुट्टी के बाद वापसी करने वाली लेग स्पिनर एफी फ्लेचर को भी टीम में शामिल किया गया है। टीम में पांच युवा खिलाड़ियों स्पिनर करिश्मा रामहरक, तेज गेंदबाज आलिया एलीने, तेज गेंदबाज चैरी आन फ्रेजर, आलराउंडर चिनेले हेनरी और सलामी बल्लेबाज राशदा विलियम्स को शामिल किया गया है जो इस टूर्नामेंट में डेब्यू करेंगी। टूर्नामेंट के कोविड-19 नियमों के तहत वेस्टइंडीज ने टीम के साथ दौरा करने वाली तीन रिजर्व खिलाड़ियों की घोषणा भी की जो केसिया शुल्ट्ज, मेंडी मांगरू और जेनीलिया ग्लास्गो होंगी।खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका से न्यूजीलैंड पहुंचने के बाद अपना आइसोलेशन पूरा कर चुकी हैं। वेस्टइंडीज को चार मार्च को तौरंगा के बे ओवल में मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेलना है।

वेस्टइंडीज महिला टीम

स्टेफनी टेलर (कप्तान), अनीसा मोहम्मद, आलिया एलीने, शेमाइन कैंपबेल, शामीलिया कोनेल, डियांड्रा डोटिन, एफी फ्लेचर, चैरी आन फ्रेजर, चिनेले हेनरी, काइसिया नाइट, हेली मैथ्यूज, चेडीन नेशन, करिश्मा रामहरक, शकीरा सेलमन और राशदा विलियम्स।

रिजर्व खिलाड़ी: केसिया शुल्ट्ज, मेंडी मांगरू और जेनीलिया ग्लास्गो।

730 दिन बाद अपने बेटे जोरावर से मिले धवन

नई दिल्ली। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन शनिवार (19 फरवरी) को अपने बेटे जोरावर से मिले। शिखर धवन के लिए यह पल काफी भावुक था। क्योंकि वह अपने बेटे से दो साल बाद मिल रहे थे। उन्होंने अपने बेटे से मिलने का एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकांउट से शेयर किया है, जिसमें वह अपने बेटे से गले मिलते हुए दिखाई दे रहे हैं। धवन का बेटा ऑस्ट्रेलिया में रहता है। कोविड़-19 प्रतिबंधों और प्रोटोकॉल के कारण धवन 2020 से अपने बेटे से नहीं मिल पाए थे। जोरावर ने अगस्त 2020 में ऑस्ट्रेलिया की यात्रा की थी। धवन ने सोशल मीडिया पर लिखा, दो साल के बाद मैं अपने बेटे से मिला। उसके साथ खेलना, उसे गले लगाना, बातें करना .. बहुत भावुक मोमेंच हैं ये .. ये वो पल हैं जो हमें याद रहेंगे। 36 वर्षीय खिलाड़ी भारत के टी20 या टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं। वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 में मैदान पर वापसी करेंगे, जहां वह पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) का प्रतिनिधित्व करेंगे। चूंकि धवन खेल से ब्रेक पर हैं, इसलिए उन्हें अपने बेटे के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया से जीता आखिरी टी 20 मैच

अंतिम मुकाबले में पांच विकेट से हराया, क्लीन स्वीप से बचे

मेलबर्न। गेंदबाजों के सधे हुए प्रदर्शन और विकेटकीपर कुशल मेंडिस (69) के शानदार अर्धशतक के दम पर श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को पांचवें और अंतिम टी 20 मैच में रविवार को पांच विकेट से पराजित कर खुद को क्लीन स्वीप होने से बचा लिया। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज 4-1 से जीती। ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में छह विकेट पर 154 रन बनाएजबकि श्रीलंका ने एक गेंद शेष रहते 19.5 ओवर में पांच विकेट पर 155 रन बनाकर जीत अपने नाम की। कुशल मेंडिस ने नाबाद 69 रन की मैच विजयी पारी खेली। कप्तान दासुन शनाका ने 35 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से केन रिचर्डसन ने दो विकेट लिए। इससे पहले मैथ्यू वेड ने 43 रन की सर्वाधिक पारी खेली। ग्लेन मैक्सवेल ने 29 और जोश इंग्लिस ने 23 रन बनाए। मेंडिस प्लेयर ऑफ द मैच बने जबकि मैक्सवेल को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला।

डेब्यू मैच की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले तीसरे खिलाड़ी बने धुल

मैच ड्रॉ, तमिलनाडु को पहली पारी में बढ़त के आधार पर मिले तीन अंक

गुवाहाटी। अंडर- 19 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान यश धुल (नाबाद 113) ने अपने पदार्पण मैच की दूसरी पारी में भी कमाल की बल्लेबाजी करते हुए शतक ठोका। वह डेब्यू मैच की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले दिल्ली के पहले और कुल तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं।

यश धुल से पहले 1952/53 में गुजरात के लिए नारी कॉन्ट्रैक्टर (152 और 102*) और 2012/13 में महाराष्ट्र के लिए विराग अवाटे (126 और 112) ने डेब्यू मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया थानजर मुकाबले पर डालें तो दिल्ली ने पहली पारी में यश धुल और ललित यादव (177) के शतक की मदद से 452 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। मैच की बात करें तो तमिलनाडु को दिल्ली के खिलाफ चौथे दिन रविवार को ड्रॉ समाप्त हुए रणजी ट्रॉफी ग्रुप एच मैच में पहली पारी की बढ़त की आधार पर तीन अंक हासिल हुए।

कार्तिकेय के पांच विकेट से जीता मप्र

राजकोट कुमार कार्तिकेय के पांच विकेट की बदौलत मध्यप्रदेश ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के मुकाबले में गुजरात को 106 रन से हरा दिया। इससे पहले गुजरात ने मप्र की टीम दूसरी पारी 251 रन पर समेट दिया। मध्य प्रदेश ने 244 रन से आगे खेलना शुरु किया। मप्र के निचले क्रम के बल्लेबाज ईश्वर पांडे, कुलदीप सेन और गौरव यादव शून्य पर आउट हुए। शुभम शर्मा ने नाबाद 103 रन की शतकीय पारी खोली। गुजरात के लिए चिंतन गजा ने छह विकेट झटके। इसके बाद गुजरात दूसरी पारी में 88 रन पर सिमट गया। करन पटेल ने सर्वाधिक 27 रन बनाए। मध्यप्रदेश के लिए कार्तिकेय के अलावा ईश्वर पांडे और शुभम शर्मा ने दो- दो विकेट व गौरव यादव ने एक विकेट लिया।

रणजी ट्रॉफी के 19 मैचों के परिणाम घोषित

रविवार को रणजी ट्रॉफी के 19 मुकाबलों का समापन हो गया। पिछले चार दिनों में 38 टीमों ने 19 मुकाबलों में भाग लिया। हालांकि, इनमें से 7 मैचों का नतीजा ड्रॉ रहा, जबकि 3 टीमों ने पारी और रनों के अंतर से जीत हासिल की। एलीट ग्रुप ए के मैच में केरल के सामने मेघालय की टीम थी, जिसमें केरल ने पारी और 166 रन से जीत दर्ज की। एलीट ग्रुप बी के एक मैच में बंगाल का सामना बड़ौदा की टीम से हुआ, जिसमें बंगाल ने 4 विकेट से जीत दर्ज की। इस ग्रुप के अन्य मैच में हैदराबाद के सामने चंडीगढ़ की टीम थी। इस मैच को हैदराबाद ने 217 रनों से जीता। वहीं, एलीट ग्रुप सी की बात करें तो कर्नाटक के सामने रेलवेज की टीम थी, लेकिन इस मैच का नतीजा बेनतीजा रहा। वहीं, इसी ग्रुप की टीम जम्मू कश्मीर ने पुडुचेरी को 8 विकेट से हराया। एलीट ग्रुप डी में सौराष्ट्र का सामना मुंबई से हुआ, लेकिन इस मैच का नतीजा ड्रॉ रहा। इस ग्रुप का एक और मैच ओडिशा और गोवा के बीच खेला गया। ये मैच भी बेनतीजा रहा। एलीट ग्रुप ई की बात करें तो आंध्र प्रदेश के सामने राजस्थान की टीम थी। राजस्थान ने इस मैच में आंध्रा को 158 रन से हरा दिया। इस ग्रुप के अन्य मैच में सर्विसेज ने उत्तराखंड की टीम का सामना किया, लेकिन जीत उत्तराखंड को 9 विकेट से मिली।

फ्रेंच ओपन, विम्बलडन से बाहर हो सकते हैं जोकोविच

लंदन। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा कि अगर उन्हें चुनने के लिए बाध्य किया गया तो वह कोविड-19 का टीका लगाने की जगह फ्रेंच ओपन और विंबलडन में नहीं खेलने का विकल्प चुनेंगे। जोकोविच अगर फ्रेंच ओपन और विंबलडन में नहीं खेलने का फैसला करते हैं तो रफेल नडाल के रिकॉर्ड 21 पुरुष एकल ग्रैंडस्लैम खिताब की बराबरी करने का मौका भी गंवा देंगे। जोकोविच को पिछले महीने आस्ट्रेलिया से निर्वासित कर दिया गया था क्योंकि उन्होंने कोरोना वायरस का टीका नहीं लगवाया है। इसके बाद दुनिया भर में काफी बवाल मचा था। बीस बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन सर्बिया के जोकोविच ने मंगलवार को प्रसारित साक्षात्कार में बीबीसी से कहा कि उनका टीकाकरण नहीं हुआ है और अपनी इस स्थिति को बरकरार रखने के लिए वह खिताबों का बलिदान करने के लिए तैयार हैं। चौंतीस साल के इस खिलाड़ी ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह रोलां गैरो और विम्बलडन में खिताब की रक्षा नहीं करने तथा अन्य टूर्नामेंट से बाहर रहने जैसी कीमत चुकाने को तैयार हैं। जोकोविच ने हालांकि कहा कि वह टीकाकरण के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने स्वयं को टीकाकरण रोधी अभियान से अलग करते हुए कहा, मैंने कभी नहीं कहा कि मैं इस अभियान का हिस्सा हूं।

पछुआ ने बढ़ाई मुश्किल, गेहूं व सरसों को नुकसान

आजमगढ़। दो दिनों से चल रही पछुआ हवा ने किसानों की चिंता को बढ़ा दिया है। इससे गेंहू, दलहनी व तिलहनी फसलों को

नुकसान पहुंचने का खतरा बना हुआ है। पछुआ हवा से फूल वाली फसलों के फूलों के झड़ने व गेंहू में दानों के पतले होने की भी आशंका है। वहीं सिंचित गेंहू की फसल के गिरने का भी डर बना हुआ है। ऐसे में किसान फसलों की सिचाई करने से कतरा रहे हैं। किसानों का कहना है कि इसी तरह से पछुआ हवा आगे भी चलती रही तो इसका प्रतिकूल प्रभाव गेंहू की उपज पर भी पड़ेगा। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसानों की परेशानी कम होती नहीं दिख रही है। पहले भी मौसम के उतार-चढ़ाव से फसलों को नुकसान पहुंचा है। अब पछुआ हवा से गेंहू के दानों के पतले होने की संभावना है। दलहनी व तिलहनी फसलों के फूलों के झड़ने की भी आशंका बनी हुई है।

बिलारमऊः वर्तमान समय में किसान गेंहू की फसलों की सिचाई कर रहे हैं। इस दौरान अगर तेज पछुआ हवा चली तो गेंहू की फसल को नुकसान हो सकता है। सिचाई के बाद तेज हवा चलने से गेंहू जल्द सूख सकता है। किसान पृथ्वी राज ने कहा कि गेंहू की फसल को इस समय पानी की आवश्यकता है। हवा चलने से सिचाई करने से डर लग रहा है। रामकृपाल, धनपाल व हरिराम ने कहा कि सिचाई के बाद तेज हवा फसलों को नुकसान पहुंच सकती है, क्योंकि हवा चलने से फसल गिर सकती है।

कोषागार के डबल लाक में रखे जाएंगे डाक मतपत्र

आजमगढ़। जिला निर्वाचन अधिकारी अमृत त्रिपाठी ने बताया कि विधानसभा चुनाव सेवायोजित मतदाताओं के प्रेषित डाक मतपत्र एवं अन्य जिलों से प्राप्त होने वाले डाक मतपत्रों को मतगणना के पूर्व तक प्राप्त कर प्रतिदिन विधानसभावार पैकेटों में सील कराकर कोषागार के डबल लाक में रखा जाएगा। इसके लिए नोडल अधिकारी पोस्टल बैलेट डीसी एनआरएलएम मिथिलेश कुमार तिवारी को नामित किया गया है। उन्होंने निर्देश दिया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार सेवायोजित मतदाताओं एवं अन्य जनपदों से प्राप्त होने वाले डाक मतपत्रों को प्रतिदिन प्राप्त कराकर कोषागार के डबल लाक में सुरक्षित रखवाया जाना सुनिश्चित करें।

राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी सभा जूही सिंह पहुंची मेहनगर विधानसभा में जनसंपर्क करने

प्रखर आजमगढ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चुनाव तीसरे चरण तक संपन्न हो चुके हैं। पूर्वांचल में मतदान छठे और सातवें चरण में होना है । लिहाजा

सभी पार्टियों ने जनसंपर्क अभियान को तेज कर दिया है। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह और राष्ट्रीय सचिव सुनीता सिंह ने आजमगढ़ के मेहनाजपुर में जनसंपर्क किया। महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पार्टी की नीतियां और घोषणा पत्र इस बात को साबित करने के लिए बहुत है की पार्टी हमेशा कमजोर,मजलूम, शोषित,वंचित के साथ खड़ी रही है । आगे भी वह अपने इन सिद्धांतों के सहारे ही राजनीति में आगे बढ़ेगी । इस अवसर पर महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव सुनीता सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी अखिलेश यादव के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रहे है। उनकी सभाओं में उमड़ा हुआ जनसैलाब भारतीय जनता पार्टी की परेशानी लगातार बढ़ा रहा है। इसलिए भारतीय जनता पार्टी के नेता अनाप-शनाप बयानबाजी कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

सांसद के नेतृत्व में दर्जनों ने ली भाजपा की सदस्यता

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिण्डरा (कथौली) स्थित एक लान में सोमवार को मछलीशहर के भाजपा सांसद बी 0पी0 सरोज के नेतृत्व दूसरे दलों से जुड़े दर्जनो लोगों ने एक कार्यक्रम के दौरान भाजपा की सदस्यता ली। इस दौरान सांसद ने कहाकि डबल इंजन की सरकार ने आम लोगों से लेकर हर वर्ग के लोगों का ध्यान रखा। एक बार प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। इस दौरान शाहरुख हाशमी,अमित दुबे, मनीष सिंह, रमेश सिंह , आशीष पाठक, मनोज शुक्ला ,रोशनसिंह ,दीपक , उमाशंकर पाठक , तथा अनुसूचित समाज से राजेश व अमिताभ के साथ बड़ी संख्या में बसपा कार्यकताओं ने भाजपा का दामन थामा। कार्यक्रम की अध्यक्षता अवधेश तिवारी व संचालन दीपक सिंह ने किया।कार्यक्रम में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष किमो० शैलेश पाण्डेय, पूर्व प्रमुख सतेंद्र सिंह , कैलाश नाथ पाल , सांसद मीडिया प्रभारी मनीष पाठक, डॉ राकेश सिंह ,शैलेश मिश्रा, बबलू मिश्रा,बृजेश दुबे,इलाका सिंह समेत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

बसपा प्रत्याशी लालबहादुर सिद्धार्थ नें लोगो से किया जन सम्पर्क

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा कुंडी पर बसपा प्रत्यासी लालबहादुर सिद्धार्थ नें अपनें दर्जनों समर्थकों के साथ जन सम्पर्क किया। जन सम्पर्क के दौरान उन्होंने नें लोगों से अबकी बार ज्यादा से ज्यादा बसपा के पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया। बसपा प्रत्याशी नें कहा कि उत्तर प्रदेश में बसपा की सरकार बनने पर रोजगार के अवसर प्रदान किये जायेंगे नए सरकारी पदों मे आरक्षण प्रावधानों के अनुसार 40% महिलाओं की नियुक्ति, वृद्धा-विधवा पेंशन, आँगनवाड़ी और आशा बहुओं को प्रति माह मानदेय आदि बहुत सी योजनाएं बनीं है जिसका लाभ जनता को बसपा सरकार बननें पर मिलेगा। होने वाले विधानसभा चुनाव में आपसभी लोग अभी से लगजायें ताकि विरोधियों की जमानत जप्त हो जाये और बहुजन समाज पार्टी की बहुमत की सरकार बन सके।

प्राथमिक विद्यालय घुरहुपुर का विद्यालय जर्जर कैसे होगा मतदान

प्रखर मुफ्तीगंज जौनपुर। स्थानीय विकास खंड के घुरहुपुर का प्राथमिक विद्यालय जर्जर हो गया है जब कि इस विद्यालय में 190 बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर शिक्षा लेने आते है विद्यालय इतना जर्जर है कि कब विद्यालय की दीवाल भरभरा कर गिर जायेगा इसकी कोई गारंटी नहीं है जबकि बताया गया कि यहां मतदान भी होता है घुरहुपुर बूथ संख्या 95 है सात मार्च को इसी विद्यालय में क्षेत्र की जनता मतदान करने आयेगी कहीं मतदान के समय यह जर्जर विद्यालय भरभरा के गिर गया तो बहुत बड़ी घटना हो सकती है प्रधानाध्यापक राजबहादुर यादव से फोन से बात पर उन्होंने कहा कि इसकी लिखित सूचना कई बर खंड शिक्षा अधिकारी मुफ्तीगंज को अवगत करा दिया गया है यदि कोई घटना दुर्घटना होती है तो इसके जिम्मेदार शासन प्रशासन होगो गांव के प्रधान पति प्यारे लाल ने भी जर्जर होने की बात बताई है ।खण्ड शिक्षाधिकारी इसके पहले जो रहे वह भी एक हफ्ते में ठीक हो जाने जाने की बात कहकर नही ठीक कराये । गांव के लोग अपने बच्चों को भेजने में बहुत ही अंदेशा जता चुके है जिसको प्रधाना अध्यापक ने अब बन जाएगा तब बन जाने की बात बताकर बार बार लिखा पढ़ी कर चुके हैं ।

मुफ्तीगंज ब्लाक के कंप्यूटर ऑपरेटर की पत्नी ने बीडीओ पर लगाया गंदी टिप्पणी का आरोप

प्रखर केराकत जौनपुर। मुफ्तीगंज ब्लाक के बीडीओ रामकृपाल द्विवेदी पर कंप्यूटर ऑपरेटर की पत्नी को फोन कर गंदी बातें करने का आरोप है। कंप्यूटर ऑपरेटर की पत्नी ने डीएम और सीडीओ से बीडीओ की शिकायत की है। उसने बीडीओ के ट्रांसफर, और धमार्पुर ब्लाक के बीडीओ को यहां का चार्ज देने की मांग की है। मुफ्तीगंज ब्लाक में श्रीराम दत्त कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर तैनात है। उसके पत्नी रोशनी देवी की शिकायत है कि बीडीओ रामकृपाल द्विवेदी ने 18 फरवरी को रात में 9 बजे उसके मोबाइल पर फोन किया और पति रामदत्त के बारे में पूछा। रोशनी के मुताबिक बाद में बीडीओ ने उसे पल्लू में छिपाकर रखने की बात कही और ब्लाक पर नहीं भेजने की हिदायत दी।रोशनी के मुताबिक बीडीओ के शब्दों से उसे गहरा आघात लगा है। उसने डीएम और सीडीओ को पत्र भेजकर बीडीओ की शिकायत की साथ ही बीडीओ के ट्रांसफर की मांग की। इस बारे में बीडीओ रामकृपाल द्विवेदी ने बताया कि कंप्यूटर ऑपरेटर श्रीराम दत्त और उसकी पत्नी का आरोप बेबुनियाद है। वह बहुत मनबढ़ है। वह काम नहीं करना चाहता। बहाने बनाकर कार्यालय से गायब हो जाता है। जब फोन किया जाता है तो वह फोन भी नहीं उठाता। बीडीओ ने बताया कि उन्होंने उसके कार्यशैली के बारे में डीडीओ से पहले ही बता दिया है।

वीर सावरकर पर परिचर्चा एवं काव्यगोष्ठी 28 फरवरी को

मुंबई डेस्क। हनुमान नगर, कांदिवली पूर्व, फाल्गुन , कृष्णपक्ष, द्वादशी , आनंद संवत्सर विक्रम संवत 2078 , रविवार 28 फरवरी को वीर सावरकर पूण्य स्मृति के निमित्त पत्रकारिता मिशन संस्था द्वारा संस्था कार्यालय हनुमान नगर, कांदिवली (पूर्व) में परिचर्चा एवं काव्यगोष्ठी अपराह्न 3 बजे आयोजित की गई है । संस्था के अध्यक्ष - राकेशमणि तिवारी ने बताया कि , कार्यक्रम की अध्यक्षता मुंबई विश्वविद्यालय, गरवारे संस्थान में हिन्दी पत्रकारिता के समन्वयक वरिष्ठ पत्रकार पूर्व ब्यूरो चीफ सहारा समय मुंबई "सैयद सलमान" जी करेंगे तथा प्रमुख वक्ता के तौर पर वरिष्ठ पत्रकार सैय्यद सरताज हुसैन मेंहदी व वरिष्ठ शिक्षक गंगा प्रसाद तिवारी एवं प्रधानाध्यापक एन एल विद्यालय मिथिलेश मिश्र तथा वरिष्ठ पत्रकार फोटोग्राफर श्रीमान् जाफर शेख जी उपस्थित रहेंगे ।

काव्यपाठ - वरिष्ठ कवि राम सिंह, जवाहर लाल निर्झर, पत्रकार रवि यादव , कल्पेश यादव , अजय शुक्ल बनारसी , जाकि र हुसैन रहबर , हरिश्चंद्र सिंह, महेश गुप्ता तथा संदेश मुकुन्द दुबे करेंगे । कार्यक्रम के सहयोगी के तौर पर पत्रकार दिनेश वर्मा , संस्था के सचिव विनय प्रकाश दुबे , कोषाध्यक्ष अनुराग मिश्र, विक्रम सिंह घोरपड़े, अरूण कुमार तिवारी , विकास पाण्डेय, अखिलेश एच पाण्डेय, चन्द्रगुप्त चौहान , रविन्द्र कुमार सिंह एवम् शिवम तिवारी आदि उपस्थित रहेंगे ।

कांग्रेस नेत्री मनीषा सोनी ने पार्टी छोड़ी

प्रखर खेतासराय जौनपुर। लंबे समय से कांग्रेस पार्टी में रही मनीषा सोनी ने पार्टी को अलविदा कहकर भाजपा में शामिल हो गयी। सोमवार को सूबे के राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव की मौजूदगी में अपने आवास पर भाजपा में विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि मेरी घर वापसी हुई है, पार्टी को मजबूत बनाने के साथ ही गिरीश यादव को पुनः विधायक बनाया जाएगा। इस मौके पर राज्यमंत्री के साथ मण्डल महामंत्री मनीष गुप्ता भी मौजूद रहे।

राम कृष्ण का नाम और रुप दोनों अमृत है- आचार्य धरणीधर

प्रखर सन्तकबीरनगर। विकास खण्ड सांथा के अन्तर्गत ग्राम गहबा इटौवा में हो रहे विष्णु महायज्ञ में अयोध्या से आए कथा प्रवक्ता आचार्य धरणीधर जी महाराज ने चतुर्थ दिवस में कहा इस संसार के कम बुद्धि वाले लोग मुझे मनुष्य शरीर में देखकर साधारण मनुष्य समझ लेते हैं, पर वे मेरे परम भाव को नहीं जानते कि मैं ही सभी प्राणियों का स्वामी हूं, गोकुल की गलियों में दौड़ते हुए इस गोप बालक को देखकर कौन कह सकता था कि वो परमात्मा है। वन में अपनी पत्नी के खो जाने पर विलाप करते हुए वृक्षों व लताओं से अपनी पत्नी के समाचार पूछने वाले वनवासी प्रभु श्री राम को देखकर भला कौन कह सकता है कि यही परमात्मा है। परमात्मा की लीलाएं सदैव मनुष्य के लिए रहस्य बनी रही हैं क्योंकि वह परमात्मा को अपनी बुद्धि के द्वारा समझना चाहता है जो संभव नहीं। इसलिए रावण, कंस, दुर्योधन

जैसे लोग भी प्रभु की लीलाओं से धोखा खा गए। प्रभु की प्रत्येक लीला में आध्यात्मिक रहस्य है छिपा होता है, जिनका उद्देश्य मनुष्य को आध्यात्मिक मार्ग की ओर प्रेरित करना है। जब एक मनुष्य पूर्ण सतगुरु की कृपा से ब्रह्मज्ञान को प्राप्त करता है तब उसके अंदर में ही इन लीलाओं में छिपे आध्यात्मिक रहस्य प्रकट होते हैं तथा पूर्ण सदुरु की कृपा से ही वह इन रहस्यों को समझ पाता है। भगवान ने जिस रूप में भी अवतार लिया है, उसमें संसार के लोगों को गहरा संदेश दिया है। भगवान के दिए गए संदेशों को यदि जीवन में ग्रहण कर लिया जाए, तो अमूल्य मानव जीवन सार्थक हो जाएगा। कथा स्थल पर भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण का अवतार महोत्सव मनाया गया।इस अवसर पर ग्राम प्रधान रवि यादव,सोमई गुप्ता, भालचंद्र गुप्ता, आचार्य राघवेन्द्र द्विवेदी,ग्राम प्रधान अमरहा विजय बहादुर पाण्डेय, राम गुलाम यादव, शिवदास साहनी, राकेश कुमार राय, बब्लू गुप्ता,राजमन सिंह,गोलू यादव,समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

बोलेरो के धक्के से युवक की मौत

रसड़ा (बलिया)। रसड़ा-बलिया मार्ग के माधोपुर चीनी मिल के समीप शनिवार की रात लगभग 10 बजे बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार युवक सुशील चौहान (18) पुत्र मुनेश्वर चौहान निवासी तद्दीपुर थाना गड़वार की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि उसके दो अन्य साथी बाल-बाल बच गए। चार बहनों में इकलौते भाई सुशील की मौत से परिजनों सहित पूरे गांव में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सुशील अपने दो साथियों के साथ बाइक से रसड़ा अपने गांव जा रहे थे कि चीनी मिल के समीप बोलेरो ने बाइक को पीछे से धक्का मार दिया। बोलेरो की पहिये की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल सुशील को रसड़ा अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर लिया। वहीं बाइक पर सवार दो अन्य साथी बाल-बाल बच गए। घटना के बाद बोलेरो भाग निकला। सुशील की मौत से परिजनों सहित पूरे गांव में कोहराम मच गया।

चुनाव कार्यालयों का सहायक व्यय प्रेक्षक ने किया निरीक्षण

भदौरा (गाजीपुर)। विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्वक, निष्पक्ष, सकुशल और पारदर्शी तरीके से कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस क्रम में रविवार को जमानियां विधानसभा के समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी ओमप्रकाश सिंह के चुनाव कार्यालय का सहायक व्यय प्रेक्षक संजय कुमार सिन्हा ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय से संबंधित लोगों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए आयोग द्वारा मानक के अनुसार कुर्सी, टेबल आदि का फोटो व वीडियोग्राफी कराई। इस संबंध में सहायक व्यय प्रेक्षक ने बताया कि चुनाव आयोग के निर्देश पर अनुमति के बाद सभी राजनीतिक दलों के चुनाव कार्यालय खोले गए हैं। चुनाव आयोग के मानक के अनुसार कार्यालयों में व्यवस्थाओं को देखकर उसकी रिकार्डिंग कराने का पालन किया जा रहा है। सेवराई तहसील मुख्यालय के सामने जमानियां विधानसभा के सपा प्रत्याशी ओमप्रकाश सिंह के चुनाव कार्यालय का निरीक्षण कर जानकारी ली गई।

कोटेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

घोसी, मऊ। घोसी कोतवाली में पूर्ति निरीक्षक रवि रंजन ने तहरीर देते हुये बताया कि शनिवार को कोतवाली क्षेत्र के बड़राव विकास खण्ड अंतर्गत अमिला ग्राम पंचायत स्थित सरकारी गल्ले की दुकान (कोटा) का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सरकारी गल्ले की दुकान के प्रोपराइटर राजेश कुमार द्वारा स्टाक रजिस्टर व वितरण रजिस्टर प्रस्तुत नही किया गया। साथ ही साथ फरवरी माह 2022 के प्रथम चरण के वितरण में लाभार्थियों को वितरण नही किया गया। घोसी कोतवाली पुलिस ने खाद्य निरीक्षक की तहरीर पर राजेश कुमार के खिलाफ सम्बन्धित धाराओ में मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

छिनैती की घटना का नहीं हो सका राजफाश

पल्हना (आजमगढ़)। देवगांव थाना के चेन देवरा गांव में हुई छिनैती की घटना में शामिल बदमाश दस दिन बाद भी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। गांव के राकेश सिंह नौ फरवरी को यूनियन बैंक लालगंज से बाइक से अपने घर आ रहे थे। बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें रोककर तमंचा सटा दिया। इसके बाद फिगर प्रिट मशीन,17 हजार रुपये व मोबाइल फोन छीन लिया। पीड़ित ने तत्काल सूचना चौकी इंचार्ज पल्हना योगेंद्र सिंह को दी थी। घटना के इतने दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक बदमाश पुलिस की पकड़ से दूर हैं। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर राजफाश की गुहार लगाई है।

मेड़ से होकर मतदान करने जाएंगे रसूलपुर के वोटर

अंबारी (आजमगढ़)। फूलपुर-पवई विधानसभा के प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर अहमद अली पर मतदान करने के लिए खेत की मेड़ से होकर जाना पड़ेगा। अधिकारियों द्वारा कास्तकारों को मनाने का प्रयास विफल हो गया है। काश्तकार अपनी चक में रास्ता देने को तैयार नहीं हैं। विद्यालय का निर्माण गांव से दूर ओगरी नदी के किनारे कराया गया है। स्कूल तक जाने के लिए कोई उपयुक्त मार्ग नहीं बनाया गया है। शिक्षा क्षेत्र अहरौला के प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर अहमद अली पर बूथ संख्या 210 एवं 211 बनाया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने अधवार स्थित सर्वोदय इंटर कॉलेज में लगाई जन चौपाल

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 का शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराये जाने के दृष्टिगत पुलिस

उपमहानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा क्षेत्र के अधवार स्थित सर्वोदय इण्टर कॉलेज में आमजन एवं गणमान्य लोगो के साथ बैठक की । उक्त बैठक के दौरान फेज-7 में जनपद में होने वाले विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के दौरान आमजन को मतदान केन्द्रो पर पहुंचकर निर्भीक होकर , निष्पक्ष रूप से अपने-अपने मतो का प्रयोग करने तथा कोविड गाइडलाइन्स का अनुपालन कराने के लिए लोगों से अपील किया। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि किसी भी व्यक्ति द्वारा यदि किसी प्रकार की लालच/प्रलोभन देकर मतदान करने हेतु प्रेरित किया जाता है तो उसकी सूचना अपने नजदीकी थाने पर दें अथवा 112 पर सूचित करें । पुलिस आपकी सेवा एवं सुरक्षा में सदैव तत्पर है । उक्त बैठक के दौरान थानाध्यक्ष पुलिस बल तथा क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

खेतासराय रेलवे स्टेशन पर राहगीरों को हुई फिर फजीहत

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। उत्तर रेलवे लखनऊ वाया वाराणसी-अयोध्या रेल प्रखण्ड का खेतासराय रेलवे क्रॉसिंग यातायात के लिए अभिशाप साबित हो रहा।सोमवार की

यात्री ट्रेन गुजारने के चक्कर मे देढ़ घण्टा अवरुद्ध रहा दीदारगंज मार्ग

दोपहर एक्प्रेस ट्रेनों को गुजारने के चक्कर मे एक बार फिर क्रॉसिंग को बन्द कर दिया।जिसे से राहगीर बिल बिला उठे, सबसे ज्यादा मरीजों को उठाना पड़ा।हालांकि एक घण्टे में गेट का बैरियर खुल गया लेकिन अधिक हुजूम के चलते ट्रैफिक निजाम ध्वस्त हो गया।देढ़ घण्टे बाद आवागमन बहाल हुआ। सोमवार की दोपहर गेट मैन ने 12:40 पर गेट संख्या 55 सी को बन्द किया।दो महत्वपूर्ण यात्री ट्रेनों

का गुजरने का समय होने के चलते, रेल प्रशासन ने शाहगंज से डाउन बॉक्सर मालगाड़ी को लूप लाइन पर खड़ी कर दिया।इस दौरान जौनपुर की तरफ से आ रही 13009 दून एक्सप्रेस,19045 गंगा ताप्ती एक्सप्रेस को यहाँ से रवाना किया।जिसके चलते दीदारगंज-खेतासराय मार्ग पर जबर्दस्त जाम लग गया।सबसे ज्यादा मरीजों को खासी दिक्कत उठाना पड़ा।कांग्रेस के सदर प्रत्याशी नदीम जावेद भी अपने लॉव लश्कर के साथ फंसे रहे।करीब 1:48 गेट खुला तो ट्रैफिक निजाम चरमरा गया।लोग आगे निकलने की होड़ में इस कदर जाम में फंसे की पैदल भी चलना मुश्किल हो गया।बार बार शिकायत के बाद भी रेल पुलिस यातायात को संभालने के लिए मौजूद नही रहती है। ट्रेन जाने के बाद भी लोग आधे घण्टे जाम के झाम में फंसे रहे।इस तरह राहगीरों को देढ़ घण्टे तक फजीहत का सामना करना पड़ा।

डबल इंजन की सरकार होने के बाद भी यहाँ रेल समस्या जस का तस

खेतासराय(जौनपुर)। रेलवे क्रॉसिंग पर घण्टे भर से ज्यादा फँसे कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता व प्रत्याशी नदीम जावेद ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि यहाँ के नुमाइंदा सरकार में मंत्री थे, केंद्र में भी सरकार थी।लेकिन उन्होंने यहाँ की समस्या के लिए कुछ नही किया।2012 में जब मैं यहाँ विधायक था तो कांग्रेस की केंद्र सरकार से रेलवे के लिए बहुत सी योजनाओं को लाया था।खेतासराय रेलवे क्रॉसिंग बड़ी समस्या है।डबल इंजन की सरकार होने के बाद भी गिरीश चन्द्र यादव ने कुछ नही किया।

धान की खरीद न होने से किसान परेशान : प्रहलाद सिंह

मंगलवार को किसान पुनः करेंगे पंचायत

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नवीन मंडी समिति अहरौरा में बनाए गए धान क्रय केंद्रों पर धान की खरीद न होने से किसान परेशान है सोमवार को भारतीय किसान यूनियन के नेताओं ने मंडी समिति में पंचायत कर किसानों की समस्याओं को लेकर आवाज बुलंद किया । और जिलाधिकारी से किसानों का शत-प्रतिशत धान की खरीद किए जाने की मांग किया । पंचायत में भारतीय किसान यूनियन के नेताओं ने कहा कि इस वर्ष धान खरीद के नियमों में बार-बार बदलाव किए जाने से किसान परेशान हो रहा है । भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव प्रहलाद सिंह ने कहा कि मंडी समिति में किसानों का धान न खरीदे जाने से किसान परेशान है । उन्होंने जिलाधिकारी से मांग किया कि किसानों का शत-प्रतिशत धान खरीदा जाए । किसान नेताओं ने कहा कि 28 फरवरी तक धान की खरीद होना है लेकिन क्रय केंद्रों पर पिछले काफी दिनों से धान की

खरीद नहीं की जा रही है जिससे किसान की परेशान है । किसान यूनियन के प्रदेश सचिव सिद्धनाथ सिंह ने कहा कि धान क्रय नीति 2021-22 आदेश के अनुसार एक कांटे पर 300 कुंटल दो कांटे पर 600कुंतल धान खरीद का शासनादेश जारी हुआ था । क्रय केंद्रों पर खरीद भी हो रही थी लेकिन फरवरी माह में एक कांटे पर 200 कुंटल या फिर 120 कुंतल और अब 90 कुंतल ही खरीद करने का हवाला दिया जा रहा है । एक बार में एक किसान से 60 कुंतल धान खरीदा गया और अब मात्र 30 कुंतल ही खरीदा जा रहा यह किसानों के साथ अन्याय है । और किसान ट्रैक्टर ट्राली में धान भरकर दर-दर भटक रहे हैं । प्रदेश सचिव ने कहा कि जो किसान रजिस्ट्रेशन कराने के बाद धान क्रय केंद्रों पर अपना नंबर लगा चुके हैं उनका धान शत-प्रतिशत खरीदने की व्यवस्था की जाए । किसान नेताओं ने कहा कि महिने भर से अधिक किसानों को धान बेचे हो गया लेकिन अभी तक भुगतान नहीं हो पाया है किसान कभी बैंक तो कभी केंद्र का चक्कर लगा रहा हैं । पंचायत में किसान नेताओं ने बताया कि जनपद में 2019-20 में 23 किसानों का 2324.600 कुंतल धान का मूल्य 4265641 रुपए का भुगतान नहीं हो पाया है इस संबंध में कई बार अधिकारियों को पत्र देकर बताया गया हैं लेकिन अभी तक निस्तारण नहीं हो पाया है ।किसानों के धान के बकाये का भुगतान अविलंब कराया जाए। जिन किसानों का धान खरीद लिया गया है उनका क्रय केंद्रों पर आज तक अंगूठा नहीं लगवाया गया है उन किसानों के धान का भुगतान कब होगा । इसके साथ ही किसान नेताओं ने अहरौरा में पी सी एफ का गेहूं क्रय केंद्र खोले जाने की मांग भी किया । किसानों की पंचायत में पहुंचे वीडियो रविंद्र नाथ सिंह एवं एडीओ कोआपरेटिव जमालपुर लगभग एक घंटे से अधिक पंचायत में बैठे रहे लेकिन किसानों के बीच हुई वार्ता में कोई भी बात नहीं बन पाई जिससे उनको बैरंग लौटना पड़ा और किसानों ने सख्त से चेतावनी दिया की अधिकारियों को मैसेज दे दे कि वह मंगलवार को पंचायत में अवश्य उपस्थित हो अन्यथा की स्थिति में किसान मंडी परिषद में अपने धान को जलाने के लिए बाध्य होगा । किसान पंचायत की अध्यक्षता लल्ला सिंह ने किया एवं संचालन मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह ने किया । किसान पंचायत में जिला कोषाध्यक्ष स्वामी दयाल सिंह ,युवा जिला अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह, युवा महासचिव विश्वनाथ सिंह, जिला उपाध्यक्ष अवधेश सिंह, जिला सचिव राम श्रृंगार सिंह, चौधरी रमेश सिंह अन्नदाता मंच के संयोजक,पंचम सिंह ,शिव प्रसाद सिंह, छन्नूसिंह जिला प्रचार मंत्री, धर्मेंद्र सिंह तहसील अध्यक्ष चुनार, रतनलाल चौरसिया ब्लॉक अध्यक्ष, महेंद्र सिंह ब्लॉक उपाध्यक्ष, मुकुट धारी सिंह,बनशनरायन तिवारी, हंसराज ,छोटेलाल पटेल ,चंदन सिंह ,रामवृक्ष सिंह ब्लॉक अध्यक्ष, दिवाकर सिंह , जैसलाल , अवधेश कुमार सिंह ,लक्ष्मण ,राम सिंह, पवन कुमार बिंद ग्राम अध्यक्ष ,संतोष कुमार सिंह, राम सकल पाल ,जगदीश सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, रामराज बिंद ,राजेश कुमार सिंह ,राम मूरत पाल ,हरेंद्र सिंह ,कृष्णकांत सिंह, इत्यादि किसान उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त खबरें

चार दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

प्रखर पिंडरा वाराणसी। बीआरसी मंगारी पर गत जनवरी माह में कोविड के कारण बीच मे ही बंद हुआ शिक्षको के उन्मुखीकरण कार्यक्रम के तहत चार दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ सोमवार को हुआ। जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्य व महत्व पर प्रकाश डालने के साथ बच्चो के सर्वांगीण विकास पर बल दिया गया। प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ करते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी मंगरु राम ने कहाकि प्रशिक्षण को शिक्षक तन्मयता से ले और इसे बच्चो के शिक्षण कार्य मे प्रयोग करें। प्रशिक्षण के दौरान बच्चो के वैज्ञानिक, सामाजिक, बोधात्मक समेत अनेक घटको के विकास पर बल दिया गया। एफ एल एन प्रशिक्षण को प्रशिक्षक रामसेवक यादव , वीरेंद्र कुमार , संजय वर्मा, कमलेश कुमार, अजय सिंह रहे। 40 - 40 बैच के दो कमरों में प्रशिक्षण दिया गया।

वाराणसी स्वर्णकार व्यापार मंडल कार्यकारिणी गठन हुआ संपन्न

जितेंद्र सेठ लगातार तीसरी बार बने अध्यक्ष

प्रखर दानगंज वाराणसी। स्वर्णकार व्यापार मंडल समिति कार्यकारिणी (2022-2024) का गठन रविवार को वाराणसी जनपद स्थित एक निजी सभागार में संरक्षक रामनगीना सेठ व प्रभारी लक्ष्मण सेठ के दिशा-निर्देशन में संपन्न हुआ। संगठन की कार्यकारिणी के गठन के दौरान संगठन के प्रति निष्ठा, समाजसेवा को देखते हुए लगातार तीसरी बार जितेंद्र सेठ को अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। इस क्रम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रवण सेठ, महामंत्री संतोष सेठ, कोषाध्यक्ष जयप्रकाश सेठ, संगठन मंत्री एवं विधि सलाहकार का संयुक्त पद एडवोकेट सुरेंद्र सेठ तथा मीडिया प्रभारी का दायित्व अभिषेक सोनी को दिया गया। वही इस क्रम में उपाध्यक्ष अजीत सोनी, राजेश सेठ, मनोज वर्मा, अमित सेठ को तथा मंत्री पद पर धर्मेंद्र सेठ, सिद्धांत सेठ व राजन सेठ को मनोनीत किया गया। मौके पर प्रमुख रूप से प्रवक्ता विनोद सेठ, दिनेश सेठ, अतुल सेठ, मोनू सेठ, आशीष सेठ, गंगा सेठ, राजेश सेठ, राघवेंद्र सेठ, पवन सेठ, ओंकार सेठ, सुमित सेठ, कृष सेठ, सतीश सेठ, जितेंद्र सेठ प्रमुख रूप से उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट सुरेंद्र सेठ तथा धन्यवाद ज्ञापन मनोज सेठ ने किया।

सामाजिक संस्था आइडियल वूमेन के तत्वावधान में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहने संस्था आइडियल वूमेन वेलफेयर सोसायटी भुल्लनपुर के तत्वाधान में नैतिक उपवन में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ जिसमें सैकड़ों लोगो ने इसका लाभ उठाया। शिविर में शुगर,ब्लड प्रेशर एवं वजन की जांच भी हुई।गंगापुर से आए डॉक्टर राहुल सिंह ने ग्रामीणवासियों की बारीकी से जांच कर उन्हे अच्छी सलाह सहित दवाएं भी वितरण की।इस अवसर पर संस्था सचिव बीना सिंह,उपाध्यक्ष राखी रानी, व्यवस्थापक सुरेश सिंह,अनिता देवी,मुस्कान विश्वकर्मा,अंकुर राय उपस्थित रहे।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पुलिस अधीक्षक ने किया कांबिंग

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। पुलिस एवं जनता के बीच सामंजस्य स्थापित करने तथा पुलिस के प्रति जनता में विश्वास बनाये रखने के लिए पुलिस अधीक्षक अजय कुमार सिंह ने सोमवार को अहरौरा थाना के नक्सल प्रभावित क्षेत्र भलदरिया पहाड़ पर पुलिस बल के साथ सघन कांबिंग किया । इस दौरान उन्होंने संदिग्ध सम्भावित स्थानों के विषय में ग्रामीणों से जानकारी प्राप्त किया और संदिग्ध गतिविधियों वाले व्यक्तियों के विषय में लोगों से बातचीत किया । पुलिस अधीक्षक ने ग्रामीणों से कहा कि उन पर पैनी निगाह रखें । पुलिस अधीक्षक ने कांबिंग के दौरान मिले ग्रामीणों को चुनाव के प्रति जागरूक करते हुए उनसे कहा कि वह 7 मार्च को अपने मताधिकार का प्रयोग भी अवश्य करें।

सिंगारपुर काली मंदिर स्थान पर भाजपा प्रत्याशी सुभाष पासी ने लगाया जन चौपाल

प्रखर मौधा गाजीपुर। स्थानीय क्षेत्र के ग्राम पंचायत सिंगारपुर काली मंदिर स्थान पर 374 सैदपुर विधानसभा भाजपा प्रत्याशी सुभाष पासी ने लगाया जन चौपाल।बता दें कि प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को गिनाकर अपने पक्ष में वोट कर की किये अपील कहा मैंने अपने 10 साल के कार्यकाल में 8700 हैडपंप बांटे थे।मैं कहता हूँ 1साल में 1000 हैंडपंप उन माताओं बहनों को दूँगा पहले 5 घर में एक हैंडपंप देता था अब 3 घर 1 हैंडपंप देने का किया वादा कहा सरकार बने या न बने मैं विधायक बनू या न बनू मैं जो बोलता हूँ वो करता हूं।और कहा चुनाव बीतने के बाद अयोध्या राम जी का दर्शन करने के लिए हर माताओं को दो

वस्त्र अपने तरफ से भेजूंगा और आने-जाने की पूरी व्यवस्था मैं करूंगा।गौरतलब हो कि भाजपा प्रत्याशी सुभाष पासी ने जबरनपुर में बड़कू सिंह के यहाँ भी जनचौपाल लगाकर भाजपा के कार्यों को गिनाकर अपने पक्ष में वोट करने की किये अपील इसके बाद सेमरा डिहवा में स्थित प्राचीन झारखण्डे महादेव के दर्शन कर चुनाव में जीत हासिल करने की मंगल कामना।इस दौरान समाजसेवी एवं युवा नेता मुकेश सिंह " गेंदी ",मनोज सिंह "बंटू",नागेंद्र सिंह किसान युवा मोर्चा, अचल सिंह,रमेश सिंह, संजय सिंह,कन्हैया सिंह,महेन्द्र राजभर,वीरेन्द्र कवि,लालबहादुर सिंह सहित तमाम समर्थक रहे।

डोमरी यज्ञशाला परिसर में स्वच्छता अभियान के साथ किया गया पौधरोपण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल,बन विभाग एव सृजन सामाजिक विकास न्यास एवं नगर पंचायत डोमरी के संयुक्त तत्वधान में सीताराम महायज्ञ डोमरी यज्ञशाला परिसर में गुरुजी नेपाली बाबा के मार्गदर्शन में वृक्ष लगाए गए तथा यज्ञशाला परिसर के आसपास को प्रदुषण मुक्त स्वक्षता अभियान चलाया गया तथा मतदान जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार वृक्ष कमांडेंट 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल थे तथा श्री दिनेश सिंह बन अधिकारी चंदौली थे तथा विशिष्ट अतिथि श्री कालिका सिंह प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के डायरेक्टर वाराणसी मंडल व श्री उमाकांत ओझा उप कमांडेंट

95 बटालियन थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अनिल सिंह ब्रांड एंबेसडर पर्यावरण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार ने की श्री अनिल कुमार सिंह ने सभी को जल संरक्षण स्वच्छता अभियान व अपने जन्मदिन पर,वैवाहिक वर्षगांठ पर एक-एक पौधे लगाने की शपथ दिलाई,साथ साथ स्वस्थ मानसिकता से मतदान करने की भी शपथ दिलाई इस कार्यक्रम में नगर पंचायत डोमरी के अधिशासी अधिकारी अजीत सिंह के मार्गदर्शन में सफाई नायक करन प्रताप अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे तथा 95 बटालियन केंद्रीय पुलिस बल के अधिकारी व जवानों के साथ प्रवीण सिंह और विजय केजरीवाल, सौरभ सिंह, दुर्गेश सिंह, मंटू, नत्थू पटेल, जसपाल, विश्वनाथ जी के डमरु वादक टीम तथा तमाम साधु संत आदि लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रिय सेवा योजना के अंतिम दिन के मानव श्रृंखला के माध्यम से छात्रों ने मतदान करने का सन्देश दिया

प्रखर कछवाँरोड वाराणसी। जगतपुर पीजी कॉलेज के सात दिवसीय कार्यक्रम के साथ सातवें दिन राजनीति शास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ ओम प्रकाश उपाध्याय ने मेरा मत मेरा और पत्रिका देकर सम्मानित किया कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रमोद कुमार श्रीवास्तव व कृपाशंकर सिंह उपस्थित रहे साथ में राष्ट्रीय स्वयं सेवा के निलेश त्रिपाठी,प्रियंका

भविष्य पर विचार व्यक्त किया,श्री राम सागर (प्रबंधक जगतपुर पी जी कॉलेज) ने पत्रकार अरविंद उपाध्याय (प्रखर पूर्वांचल),अश्वनी कुमार (भारत न्यूज),विकाश श्रीवास्तव (रणभेरी), उपेंद्र उपाध्याय (लाइव न्यूज), अनिल मिश्र (समाचार यूपी 24)को अंगवस्त्रम त्रिपाठी,स्वेता कुशवाहा,सत्य प्रकाश दुबे, आस्था गोस्वामी,अंजनी कुमार, अमित सिंह,आशुतोष गिरि,दुर्गेश दुबे,निधि, शक्ति शर्मा, आदित्य जयसवाल व अन्य छात्रों ने मतदान को लेकर अपना विचार व्यक्त किया व कार्यक्रम को सफल बनाया।

प्रदेश के कोटेदारों की माली हालत गंभीर- प्रदेश अध्यक्ष गिरीश तिवारी

प्रखर वाराणसी।आल इण्डिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन के कार्य कारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी राशन डीलरो को सम्बोधित करते हुए कहा कि चार महीने से प्रदेश भर में कोटेदारों को एक पैसा कमीशन नहीं मिला है। उपर से महीने में दो बार राशन वितरण कराया जा रहा है।ऐसे में कोटेदारों की माली हालत गंभीर हो चुकी है।इसके लिए आयुक्त खाद्य ?रसद लखनऊ को पत्रक के माध्यम से अवगत कराया गया है।उसके बावजूद भी भुगतान प्रदेश में अभी शुरू नहीं हुआ। अध्यक्ष नेकहा।कि अगर एक सप्ताह के अन्दर पूरे प्रदेश में भुगतान शुरू नहीं हुआ तो वितरण ठप कर दिया जायेगा।और इसका असर सीधा चुनाव पर पड़ सकता है।बैठक में तमाम कोटेदार उपस्थित थे।

कांग्रेस प्रत्याशी राजेश गौतम ने जनसंपर्क अभियान किया तेज

तीन दर्जन महिला कार्यकर्ताओं संग किया डोर टू डोर कम्पेन

लड़की हूँ लड़ सकती हूँ से गूंज उठा केराकत नगर

प्रखर केराकत जौनपुर। कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी राजेश गौतम के नेतृत्व में सोमवार की दोपहर सैकड़ों की संख्या में कार्यकताओं ने केराकत नगर में डोर टू डोर कैंपेनिंग किया। कैंपेनिंग केराकत कस्बे के नरहन स्थित पार्टी कार्यालय से शुरू हुई और सिपाह शेखजादा गोला वार्ड होते हुए वापस कार्यालय पर पहुंचकर समाप्त हो गई।

कैंपेनिंग के दौरान सैकडों पार्टी कार्यकर्ता शामिल रहे जिसमें तीन दर्जन से अधिक महिलाएं भी शामिल रहीं। इस दौरान पार्टी प्रत्याशी राजेश गौतम ने कहा कि कांग्रेस अकेली ऐसी पार्टी है जो सभी समुदाय के लोगों को साथ लेकर चलती है। कांग्रेस ही अकेली ऐसी पार्टी है जिसने महिलाओं को 40 प्रतिशत टिकट दिया हैं। इस अवसर पर राजेश गौतम ने लोगों से कांग्रेस को वोट देने की अपील की। सभी समस्याओं को विधानसभा में उठाकर निदान करने का आश्वासन दिया।जनसंपर्क में "लड़की हूँ लड़ सकती हूँ"की

कहा कि यदि वे जीते तो पूरे समय विधानसभा क्षेत्र की जनता के बीच में रहेंगे और हर समय उनके लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने कहा कि वे पूरे विधानसभा क्षेत्र की छोटी बड़ी नारो से केराकत नगर गूंज उठा। इस मौके पर आशू सिंह, आजाद कुरेशी, खुरदीश खान व महिलाओं सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ट्रेंनिग के दौरान आया अटैक महिला शिक्षामित्र की हुई मौत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा ब्लॉक के मंगारी स्थित बीआरसी पर सोमवार से शुरू हुई चार दिवसीय एफएलएन ट्रेनिंग के दौरान प्राथमिक विद्यालय चितईपुर में तैनात सरिता वर्मा की अचानक गिरने व हार्ट अटैक होने से मौत हो गई। घटना के बाद बीआरसी पर हड़कम्प मच गया। घटना दोपहर ढाई बजे की है। बताया जाता है कि उक्त विद्यालय में शिक्षामित्र के रूप में तैनात सरिता की ड्यूटी सोमवार से चार दिवसीय प्रशिक्षण में लगी थी। अपराह्न ढाई बजे वह बाथरूम के तरफ गई और अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी। थोड़ी देर बाद एक महिला अध्यापिका की नजर पड़ी तो सूचना पर अन्य लोग पहुचे और प्राथमिक उपचार के बाद शिक्षक संतोष सेठ को काल कर बुलाया और अन्य शिक्षक एम्बुलेंस से सीएचसी गंगापुर ले गए जहाँ चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गम्भीर देखते हुए रेफर

कर दिया। उसके बाद परिजन व शिक्षक एक निजी अस्पताल ले गए जहाँ चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया। पति चन्द्रभूषण वर्मा एलआईसी एजेंट के है। मृतक चितईपुर की निवासिनी भी है और 2005 में वह शिक्षामित्र के रूप में ज्वाइन की थी । शिक्षामित्र के बाद बतौर सहायक अध्यापक के पद पर तैनात थी। लेकिन जनवरी 2017 में समायोजन रद्द होने चिंताएं बढ़ गई थी और उनका तीन महीने पहले ही ओपन हार्ट सर्जरी हुई थी। मृतका को दो बेटी 16 व 14 वर्ष तथा एक 5 वर्ष का बेटा है। घटना से ट्रेनिग में हड़कम्प मच गया और कई शिक्षक सीएचसी गंगापुर पहुच गए। जिसमे एआरपी वीरेंद्र कुमार, शिक्षामित्र मनीष गिरी, मुनिकेश सिंह समेत अनेक शिक्षक रहे।

आदर्श इंटर कॉलेज खेल के मैदान में न्यू पूर्वांचल स्वदेशी मेला का भव्य उद्घाटन

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। अदलहाट न्यू पूर्वांचल स्वदेशी मेला का भव्य उद्घाटन अदलहट थाने के ठीक सामने आदर्श इंटर कॉलेज खेल ग्राउंड पर संपन्न हुआ मेला आयोजक ने बताया कि यह प्रदर्शनी 15 फरवरी 2022 से दिनांक 5 मार्च 2022 तक लगातार लगा रहेगा इस मेले में दूर-दराज से आए हुए दुकानदारो ने बताया कि यहां पर घरेलू जीवन मैं दैनिक उपयोग की हर सामान उचित मूल्य पर बिक्री के लिए उपलब्ध है जैसे आयुर्वेदिक दवाइयां मऊ और बनारस की साड़ियां बच्चों के खिलौने रेडीमेड कपड़े व गद्दा रजाई लोअर पेंट टी-शर्ट आदि उपयोग में लाने वाली सभी सामान इस प्रदर्शनी मेले में उपलब्ध है वहीं क्षेत्र के सभी पत्रकार और स्थानीय लोग मौजूद रहे मेले के उद्घाटन देखते हुए आसपास के जनता काफी संख्या में मेला में उपस्थित रहे बिक्री हो रहे हैं सामान की खरीदारी किया वहीं पर मेला मालिक ने बताया कि हमारे यहां हर सामान मार्केट से कम कीमत पर दिया जाता है आप सभी क्षेत्रवासियों से मेरा निवेदन है कि एक बार हमारे न्यू पूर्वांचल स्वदेशी मेला में जरूर पधारें सभी क्षेत्र वासियों का स्वागत है प्रदर्शनी मेले में आने का समय सुबह 11:00 बजे से लेकर शाम 9:30 बजे तक खुला रहेगा।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं